संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -250 बुधवार,12 जुलाई 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

बृज भूषण सिंह यौन उत्पीड़न के आरोप में सजा के हकदार

पुलिस द्वारा मामले में दायर आरोपपत्र में कहा एक महिला पहलवान ने छह स्थानों के बारे में बताया था जहां उसे लगा कि बृजभूषण शरण सिंह ने उसके साथ छेड़छाड़ की थी

» दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में किया दावा

नई दिल्ली,11 जुलाई 2023 (ए)। छह बालिग पहलवानों के यौन उत्पीड़न के मामले में भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह की मुश्किलें बढ़ सकती है। दिल्ली पुलिस ने सिंह के खिलाफ दायर आरोपपत्र में दावा किया है कि उन पर मुकदमा चल सकता है। इसमें पुलिस ने मामले से जुड़े 15 गवाहों के बयानों को प्राथमिक आधार बनाया है।

पूरे मामले में इनकी गवाही को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस मामले में बृज भूषण शरण सिंह को 18 जुलाई को कोर्ट में पेश होना है। दिल्ली पुलिस ने आरोपपत्र में दावा किया कि छह पहलवानों की शिकायतों की जांच के आधार पर बृज भूषण शरण सिंह पर केस चलाया जा सकता है। वह यौन उत्पीड़न, छेड़छाड़ और पीछा करने जैसे अपराधों के लिए केस चलाए जाने और सजा के हकदार हैं।

आरोपपत्र में लगाए ये आरोप

पुलिस ने सिंह के खिलाफ 13 जून को आईपीसी की धारा 506 (आपराधिक धमकी), 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाना), 354 ए (यौन उत्पीड़न) और 354 डी (पीछा करना) में आरोपपत्र दाखिल किया था। आरोपपत्र पर संज्ञान लेते हुए राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृज भूषण और महासंघ के पूर्व सह सचिव विनोद तोमर को 18 जुलाई को तलब किया है।

पहलवान का आरोप- बृज भूषण ने जबरन गले लगाया

आरोपपत्र में पहलवानों के मजिस्ट्रेट के सामने दिए गए बयान को अहम आधार माना गया है। वहीं, यौन शोषण की कथित जगह पर उनकी मौजूदगी के भी सबूत मिले हैं। आरोपपत्र के अनुसार, पहलवानों का रास्ता रोकने और पीछा करने का मामला 2012 का है।

इसमें शिकायत करने वाली महिला पहलवान ने बताया कि बृज भूषण ने एक टूर्नामेंट के दौरान उसकी मां से बात की और उसे अपने कमरे में बुलाकर जबरन ले लगाया। जब महिला पहलवान घर लौटी तो अलग-अलग बहाने से कई बार उसकी मां के नंबर पर फोन करना शुरू कर दिया। बृज भूषण की कॉल से बचने के लिए उसे अपना फोन नंबर तक बदलना पड़ा।

पुलिस को पांच देशों की रिपोर्ट का भी इंतजार

वहीं, दिल्ली पुलिस मामले में पूरक आरोपपत्र भी दाखिल कर सकती है। पुलिस ने मामले में इंडोनेशिया, कजाकिस्तान, बुल्गारिया, मंगोलिया और किर्गीस्तान के कुश्ती महासंघ से फोटो और वीडियो मांगे हैं। इन देशों में हुए टूर्नामेंट के दौरान बृज भूषण पर यौन शोषण के आरोप लगे हैं। इनके जवाब आने के बाद पुलिस पूरक आरोपपत्र दाखिल करेगी। आरोपपत्र में सभी पीड़ित पहलवानों ने बृज भूषण पर यौन उत्पीड़न के मामले में अलग अलग गंभीर आरोप लगाए हैं।

बंगाल पंचायत चुनाव के मतगणना में भी हुआ खूनखराबा

» नदिया में भीड़ ने पुलिस को पीटा,मालदा में बैलेट बॉक्स लेकर भागा शख्स

» सुरक्षाबल के रहते दक्षिण 24 परगना के डायमंड हार्बर के एक बूथ में ब्लास्ट

कोलकाता ,11 जुलाई 2023 (ए)। वेस्ट बंगाल में खूनखराबे के दौरान पंचायत चुनाव कइयों के लिए जानलेवा सबिटी हुआ था। आज मतगणना शुरू होने के साथ ही सुरक्षाबलों, पुलिस का संघर्ष बदस्तूर जारी है।

सुबह 8 बजे से जारी ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद चुनाव के लिए वोटों की गिनती शुरू होते ही हिंसा भी शुरू हो गई थी। मालदा के एक काउंटिंग सेंटर में एक उम्मीदवार का पति बैलेट बॉक्स लेकर भागने लगा, जिसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ा और उसकी पिटाई की। नदिया जिले में लोगों ने पुलिस के साथ मारपीट की। वहीं, भाजपा ने टीएमसी पर आरोप है कि उनके लोगों को मतदान केंद्र नहीं जाने दिया जा रहा है। बड़ी संख्या में सुरक्षाबल की तैनाती के बीच दक्षिण 24 परगना के डायमंड हार्बर के एक बूथ में ब्लास्ट हुआ।

खबर तृणमुल के प्रत्याशी और समर्थकों के लिए खुशखबरी से काम नहीं है। बंगाल में ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद चुनाव के लिए वोटों की गिनती जारी है। रुझानों में ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी बढ़त बनाए हुए है। इधर टीएमसी प्रदेश अध्यक्ष बंगाल शुभेंदु अधिकारी ने एक बार फिर चुनावी हिंसा से लेकर मतगणना के दौरान हुई वारदातों के पीछे ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी समर्थक गुंडों बताया है।

बता दें किबूथ कैप्चरिंग की शिकायतों के बाद चुनाव आयोग ने सोमवार (10 जुलाई) को 19 जिलों के 697 बूथों पर दोबारा वोटिंग करवाई। वोटिंग 69.85त्न हुई और हिंसा की कोई बड़ी घटना नहीं हुई। 8 जुलाई को कई बूथों पर हिंसा और बूथ कैप्चरिंग की घटनाओं के बीच 80.71त्न मतदान हुआ था। 8 जून को चुनाव का शेड्यूल सामने आने के बाद से चुनावी हिंसा में 10 जुलाई तक 36 लोग मारे जा चुके हैं।

बंगाल गवर्नर और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का बड़ा बयान

बंगाल गवर्नर सीवी आनंद बोस ने कहा, 'जिन्होंने बंगाल में सड़कों पर हिंसा फैलाई, वो अपने पैदा होने के दिन को कोसेंगे। सारी मशीनरी गुंडों और कानून तोड़ने वालों पर एक्शन लेने में लगा दी जाएगी। हम बंगाल को नए पीढ़ी के लिए सुरक्षित जगह बनाएंगे। बंगाल भाजपा अध्यक्ष शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि टीएमसी के गुंडे चुनाव जीतने की आखिरी कोशिश के तहत मतगणना एजेंटों और उम्मीदवारों के काम में बाधा डाल रहे हैं। विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं को काउंटिंग सेंटर्स में घुसने नहीं दिया जा रहा है। काउंटिंग एजेंटों को डराने के लिए बम फेंके जा रहे हैं। उन्हें बेरहमी से पीटा जा रहा है, यहां तक कि उन्हें अगवा भी किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट से केंद्र सरकार को बड़ा झटका

» 'ईडी ' प्रमुख का एक्सटेंशन अवैध करार दिया

» केंद्र सरकार ने ईडी प्रमुख का कार्यकाल तीसरी बार बढ़ाया,जिसे कोर्ट ने अवैध करार दिया

नई दिल्ली,11 जुलाई 2023 (ए)। केंद्र सरकार को मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी प्रमुख संजय कुमार मिश्रा का कार्यकाल तीसरी बार बढ़ाने का आदेश रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि ईडी प्रमुख का कार्यकाल तीसरी बार बढ़ाना उचित नहीं है।

31 जुलाई तक पद पर रहेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ईडी निदेशक को तीसरी बार सेवा विस्तार देना कानूनन अवैध और अमान्य है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को राहत देते हुए सेवा विस्तार नियमों में संशोधन को उचित माना है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ईडी निदेशक संजय कुमार मिश्रा का कार्यकाल विस्तार अवैध है, लेकिन वह 31 जुलाई 2023 तक पद पर बने रहेंगे।

इसके बाद नये निदेशक की नियुक्ति होनी है। इससे पहले संजय मिश्रा को नवंबर तक एक्सटेंशन दिया गया था। दिलचस्प बात यह है कि पिछले कुछ सालों से उन्हें एक्सटेंशन मिल रहा था। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। इस बीच, अदालत ने सीवीसी और डीएसपीई अधिनियम में किए गए संशोधनों की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा। इन संशोधनों के जरिए सीबीआई और ईडी निदेशकों का कार्यकाल 5 साल तक बढ़ाया जा सकता है।

हिमाचल में 1239 सड़कें बंद

» 1400 बस रूट निलंबित,

» परवाणू से दूध-ब्रेड की गाड़ियां वापस भेजीं

शिमला,11 जुलाई 2023 (ए)। हिमाचल प्रदेश में 72 घंटे से ज्यादा की मूसलाधार बारिश से हाहाकार मचा हुआ है। दो दिन के भीतर 21 लोगों की जान जा चुकी है। सोमवार को आठ और लोगों की मौत हो गई है जबकि छह उफनती नदियों और नालों में बह गए हैं। बीते 24 जून को हिमाचल पहुंचा मानसून अब तक 63 लोगों की जान ले चुका है। भूस्खलन के चलते प्रदेश में मंगलवार सुबह 10ः00 बजे तक 1239 सड़कें यातायात के लिए बाधित थीं। 2577 बिजली ट्रांसफार्मर भी ठप पड़े हैं। 1418 जल आपूर्ति योजनाएं भी बंद पड़ी हैं। संबंधित विभाग इनकी बहाली में जुटे हैं।

शिमला में सबसे ज्यादा 581, मंडी 200, चंबा 116, सिरमौर 101, हमीरपुर व लाहौल-स्पीति में 97-97 सड़कें बंद पड़ी हैं। इसी तरह मंडी में 673, शिमला 821, सिरमौर 447, लाहौल-स्पीति 206 व किन्नौर में 261 बिजली ट्रांसफार्मर बंद पड़े हैं। वहीं, भारी बारिश के चलते श्रीखंड महादेव की पवित्र यात्रा भी स्थगित कर दी है। बीच राह में टेंटों में फंसे यात्रियों को मौसम साफ होते ही वापस लाया लाएगा। सोमवार को कुल्लू जिला में फिर बादल फटा है। लगघाटी के फलाण में बादल फटने से 100 बीघा जमीन बह गई है। सरकारी तार स्पेन भी क्षतिग्रस्त हो गया है।

इसरो के पूर्व चेयरमैन को दिल का दौरा पड़ा,अस्पताल में भर्ती

बेंगलुरु,11 जुलाई 2023 (ए)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष और प्रमुख अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन को श्रीलंका में दिल का दौरा पड़ने के बाद यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नारायण हृदयालय अस्पताल ने मीडिया को जारी बयान में बताया कि श्री कस्तूरीरंगन को गंभीर बीमार हालत में भर्ती किये जाने के बाद प्रारंभिक जांचे शुरू कर दी गयी है और चिकित्सकों का एक दल उनके स्वास्थ्य पर लगातार निगरानी कर रहा है।

इससे पहले मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि इसरो के पूर्व अध्यक्ष को श्रीलंका में दिल का दौरा पड़ा और उन्हें हवाई मार्ग से बेंगलुरु ले जाया जा रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि डॉ. कस्तूरीरंगन की हालत स्थिर है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने ट्विटर पर यह भी कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें डॉ. कस्तूरीरंगन के स्वास्थ्य और चिकित्सा उपचार पर बारीकी से नजर रख रही हैं।

उद्धव ठाकरे ने दोहराया

चुनाव आयोग के पास राजनीतिक दल का नाम बदलने का कोई अधिकार नहीं

अमरावती ,11 जुलाई 2023 (ए)। शिवसेना-यूबीटी अध्यक्ष और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने यह दोहराते हुए कि 'शिवसेना' उनकी पार्टी का नाम है, सोमवार को कहा कि चुनाव आयोग (ईसी) के पास इसका नाम बदलने का कोई अधिकार नहीं है। आज दोपहर में यहां मीडिया से बात करते हुए ठाकरे ने कहा कि चुनाव आयोग किसी पार्टी को चुनाव चिन्ह आवंटित कर सकता है, लेकिन उसके पास किसी राजनीतिक पार्टी का नाम बदलने का अधिकार नहीं है।उन्होंने बताया कि 'शिवसेना' नाम उनके दादा केशव सीताराम ठाकरे उर्फ प्रबोधनकर ठाकरे ने दिया था और वह किसी को भी इसे 'चुराने' की इजाजत नहीं देंगे। जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले एक धड़े के बाहर चले जाने और फिर उसी महीने भारतीय जनता पार्टी के साथ सरकार बना लेने से शिवसेना

अलग हो गई थी। इस साल फरवरी में चुनाव आयोग ने पार्टी में विभाजन को औपचारिक रूप दिया था और सीएम शिंदे के नेतृत्व वाले अलग गुट को 'शिवसेना' नाम और उसका निशान 'धनुष-बाण' दे दिया था।

चुनाव आयोग के अंतरिम आदेश में ठाकरे गुट को एक संशोधित नाम 'शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे' और निशान 'जलती मशाल' आवंटित किया गया था। ठाकरे ने गरजते हुए कहा, भारत निर्वाचन आयोग किसी राजनीतिक दल का नाम कैसे बदल सकता है? मैं पार्टी और उसके नाम को चुराने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करूंगा।

यह मुद्दा फिर से गरमा गया है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट में 31 जुलाई को शिवसेना-यूबीटी की याचिका पर सुनवाई होने की उम्मीद है, जिसमें पार्टी के नाम और चिह्न पर चुनाव आयोग के फरवरी के आदेश को चुनौती दी गई है। याचिका में दलील दी गई है कि शिवसेना बनाम शिवसेना मामले पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के 11 मई के फैसले के मद्देनजर चुनाव आयोग का आदेश पूरी तरह से अवैध है।

दो अगस्त से रोजाना सुनवाई करेगा एससी

सीजेआई की अध्यक्षता वाली 5 जजों की बेंच सुनाएगी फैसला

नई दिल्ली,11 जुलाई 2023 (ए)। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के खिलाफ दायर याचिका पर अब सुप्रीम कोर्ट की बेंच दो अगस्त से रोजाना सुनवाई करेगी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ मामले की सुनवाई कर रही है। सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद 370 हटाए जाने को लेकर 23 याचिकाएं दाखिल हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए सभी पक्षकारों को 27 जुलाई तक अपने जवाब दाखिल करने के लिए कहा है।

अदालत ने कहा कि 27 जुलाई तक सभी पक्ष अपना जवाब दाखिल करा दें, उसके बाद कोई बदलाव कराने की अनुमति नहीं होगी। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का बचाव किया था। केंद्र सरकार ने अदालत में हलफनामा दायर कर कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद पूरे क्षेत्र ने शांति, विकास और संपन्नता का अभूतपूर्व युग देखा है। केंद्र ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा की स्थिति में पहले की तुलना में काफी सुधार हुआ है। जेएंडके में पत्थरबाजी की घटनाएं न के बराबर हो गई हैं। इसके अलावा आतंकी ईको-सिस्टम भी लगभग खत्म हो गया है। ये सब केंद्र सरकार की नीतियों के कारण संभव हो पाया है। बता दें कि केंद्र सरकार ने पांच अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था। अनुच्छेद-370 हटाकर केंद्र ने जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में विभाजित कर दिया था।

बंगाल में हत्याओं की घटनाओं से प्रशासन मुकर नहीं सकता हैःसंबित पात्रा

» कहां हैं मोहब्बत की दुकान खोलने वाले राहुल गांधी ?

नई दिल्ली/कोलकाता ,11 जुलाई 2023 (ए)। जब बंगाल में बंगाल में पंचायत चुनाव की गिनती हो रही थी तब भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने जम कर ममता सरकार पर हमला बोला और तमाम गंभीर आरोप लगाए। संबित पात्रा ने कहा कि बंगाल में लोकतंत्र दम तोड़ रहा है। अब तक पंचायत चुनाव में 45 लोगों की जान जा चुकी है। जबकि विधानसभा चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल में 52 लोगों की जान गई थी। यहां केवल बीजेपी के कार्यकर्ताओं की ही हत्या नहीं हुई, अन्य पार्टियों के कार्यकर्ता भी इसमें शामिल हैं। तल्ख तेवर में भाजपा प्रवक्ता ने कहा, अगर यह दृश्य बीजेपी शाषित राज्य में देखने को मिला होता, तो अबतक हाहाकार मच गया होता। अब राहुल गांधी कहां हैं...? वह मोहब्बत की दुकान खोलने वाले थे।

राज्य सरकार ने संवेदनशील बूथ की सही संख्या नहीं दी, जितने लोग मारे गए हैं, इसमें राज्य के ज़िम्मेदार लोग शामिल हैं। फायरिंग, बमबारी मतपेटी को जलाया जा रहा है। ये सारे नेता, जो हाथ पकड़-पकड़ कर राज्यों में खड़े होते हैं, कहां हैं ये सारे नेता? कहां हैं लालू प्रसाद यादव, कहां हैं नीतीश कुमार और कहां हैं मोहब्बत की दुकान खोलने वाले राहुल गांधी? उन्होंने कहा, जिस भूमि से कभी वन्दे मातरम् के शब्द उपजे थे, आज उसी भूमि पर जिस प्रकार की हिंसा हो रही है वह अपने आप में अप्रत्याशित है। इससे पहले इस प्रकार की हिंसा न हमने सुनी थी और न ही देखी थी. चुनाव और हिंसा आज बंगाल में पर्यायवाची बन चुके हैं. सेंट्रल फोर्स होने के बावजूद बंगाल में 45 लोगों की हत्या... ये दिखाता है कि प्रदेश सरकार किस प्रकार प्रायोजित तरीके से इन हत्याओं को अंजाम दे रही थी।

एनआईए ने आतंकी साजिश रचने के मामले में जम्मू-कश्मीर में 5 स्थानों पर की छापेमारी

श्रीनगर,11 जुलाई 2023 (ए)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी साजिश रचने के मामले में जम्मू कश्मीर में कई जगहों पर छापेमारी की है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

एनआईए ने कहा कि ये छापेमारी घाटी के दक्षिण कश्मीर के जिलों में पांच स्थानों पर चल रही है। उन्होंने कहा, आरसी 5/2022/एनआईए/जेएमयू के मामले के तहत छापेमारी जारी है। उन्होंने कहा कि फिजिकली और साइबरस्पेस दोनों तरह से साजिश रचने और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों द्वारा जम्मू-कश्मीर में सुतली बम, आईईडी और छोटे हथियारों के साथ हिंसक तथा आतंकवादी हमले को अंजाम देने की योजना का पता लगने के संबंध में है। आतंकवादी संगठनों द्वारा स्थानीय युवाओं और भूमिगत कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर जम्मू-कश्मीर में शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए आतंक फैलाने और हिंसा की वारदातों को अंजाम देने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा हैं। एनआईए ने इसकी सूचना मिलने के बाद छापेमारी शुरू की है।

मणिपुर में हिंसा के बीच बैंक से एक करोड़ रुपये की चोरी

इम्फाल,11 जुलाई 2023 (ए)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में एक्सिस बैंक की एक शाखा से कथित तौर पर कम से कम 1 करोड़ रुपये की नकदी चोरी हो गई। बैंक की यह शाखा राज्य में जातीय हिंसा के कारण 4 मई से बंद थी, सोमवार को जैसे ही दोबारा खुली तो नकदी चोरी होने का पता चला। यह जानकारी पुलिस ने दी।इंफाल में एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि पहले सूचना मिली कि एक्सिस बैंक की चुराचांदपुर शाखा में डकैती हुई है। शुरुआती रिपोर्टों से पता चला है कि यह डकैती नहीं, बल्कि चोरी थी, क्योंकि 3 मई को मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के बाद 4 मई से बैंक शाखा बंद थी और इसे सोमवार को खोला गया। अधिकारी ने बताया कि पाया गया कि बाथरूम के वेंटिलेटर को तोड़ने के बाद कुछ संदिग्ध बाथरूम के माध्यम से बैंक के स्ट्रॉन्ग रूम में दाखिल हुए और स्ट्रॉन्ग रूम की दीवार में छेद कर दिया। बैंक के मैनेजर के स्ट्रॉन्ग रूम की चाबियों के साथ आने के बाद उचित जांच की जाएगी।

C M Y K

संपादकीय

ज्यादा बड़ा बदलाव नहीं करेंगे नड्डा!

ऐसा लग रहा है कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा अपने संगठन में कोई बड़ा बदलाव नहीं करने जा रहे हैं। बड़े बदलाव की बजाय एकाध नई नियुक्तियां हो सकती हैं। जो जगह खाली हो रहे हैं उन पर किसी नए व्यक्ति को लाया जा सकता है। उनकी टीम के ज्यादातर महासचिव और उपाध्यक्ष काम कर रहे हैं। एकाध को छोड़ कर किसी की जिम्मेदारी बदले जाने की कोई सूचना नहीं है। नड्डा की टीम की महासचिव डी पुरंदेश्वरी को आंध्र प्रदेश का अध्यक्ष बनाया गया है इसलिए उनकी जगह कोई नया महासचिव आ जाएगा। इसके अलावा सिर्फ एक या दो महासचिव को बदले जाने की खबर है। इसी तरह सभी उपाध्यक्षों के बने रहने की संभावना है क्योंकि ज्यादातर उपाध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री हैं।

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति के जस का तस रहने की संभावना है। उसमें 10 नए लोगों को शामिल किया गया है। जितने प्रदेश अध्यक्ष हाल के दिनों में हटाए गए हैं, सबको कार्यसमिति में शामिल कर लिया गया है। पिछले दिनों झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना के अध्यक्ष बदले गए थे उनको कार्यसमिति में लिया गया है। इससे साफ है कि नई कार्यसमिति नहीं बनने वाली है। संसदीय बोर्ड में पिछले ही साल कई लोग शामिल किए गए इसलिए उसमें भी बदलाव की संभावना नहीं है। भाजपा के जानकार सूत्रों के मुताबिक पार्टी में तीन नए महासचिव शामिल हो सकते हैं और प्रवक्ताओं की टीम में कुछ नए चेहरे लाए जा सकते हैं। इसके अलावा कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है।

समान नागरिक संहिता कूड़ेदानी में!

विश्वास मुझे भी नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी ने भोपाल में एक घर, एक कानून की बात कही और महिने भर में ही उस संकल्प की हवा निकल गई! नोट रखे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 2024 का लोकसभा चुनाव जीतना है तो आदिवासियों, सिक्खों, ईसाई, उत्तर-पूर्व के माहौल की चिंता में अब समान नागरिक संहिता का बिल न तो लोकसभा में रखा जाएगा और यदि दिखावे के लिए रख भी दिया तो उसे लटकाएंगे। न राम मिलेंगे और न माया। मतलब भैंस गई पानी में। एक महिने में हवा निकल गई। इसलिए क्योंकि तैयारी तो थी नहीं। सबसे बड़ी बात केवल वोट के हिसाब से हिंदुओं को बहकाने का जुमला था लेकिन उस पर जब चौतरफा वोट राजनीति बिगड़ने की फीडबैक हुई तो छोड़ो, भाड़ में जाए समान नागरिक संहिता का वायदा।

शायद ग्रह-नक्षत्र और उलटे समय की माया है कि वह सब हो रहा है जिसकी नरेंद्र मोदी-अमित शाह ने कल्पना नहीं की होगी। जैसे अचानक आदिवासी-दलित के प्रति ज्यादती का अखिल भारतीय हल्ला बनना। मणिपुर में आदिवासी, ईसाई आबादी के अनुभव न केवल उत्तर-पूर्व के राज्यों में चर्चित है बल्कि राजस्थान-मध्यप्रदेश तक चर्चा में है। दलित पर एक भाजपाई के पेशाब करने की इमेज ने पूरे देश को झिंझोडा है। मुख्यमंत्री शिवराज

सिंह चौहान ने उसके पांव धोए, चरणामृत पीया तो उस पर भी इस तरह के रिएक्शन है कि ऐसे तो नरेंद्र मोदी ने भी पांव धोए थे। मतलब ये नौटंकिया है। आदिवासी संगठनों से चौतरफा हल्ला हो गया है कि समान नागरिक संहिता उनके खिलाफ है। उधर सिक्खों में इसका ऐसा विरोध बना है कि आम आदमी पार्टी के स्टेंड से अलग पंजाब के आप मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को स्टेंड लेना पड़ा!

यह सब क्यों? इसलिए कि नौ वर्षों में भाजपा ने पूरी राजनीति जात-पात के समीकरणों की उठा-पटक में की। जातवाद बढ़ाया। देश-विदेश में सिक्खों को भडकाने के काम किए। हर वर्ग और हर वर्ण की भावनाओं को आहत किया न कि समरसता की सोची। सबकुछ वोट के गणित में तभी अब फारवर्ड और भक्त हिंदूओं को छोड सब इस इंतजार में है कि कब समय आए और भाजपा को ठिकाने लगाएं। मामूली बात नहीं है जो समान नागरिक संहिता में देश भर के अलग-अलग आदिवासी इसे अपने खिलाफ समझ रहे है। कोई यह सुनने-समझने को तैयार ही नहीं है कि देश व समाज के लिए एक समान नागरिक संहिता क्यों जरूरी है?

ध्यान रहे मध्यप्रदेश, राजस्थान, छतीसगढ़, झारखंड सभी तरफ अचानक वह सिविल सोसायटी, ऐसे संगठन, ऐसे व्हाट्सअप ग्रुप एक्टीव हुए है जिससे समान नागरिक संहिता का आईडिया ही बदनाम होता हुआ है। खुद भाजपा के नेता जैसे सुशील मोदी आदि ने बयान दे कर कंफ्यूजन बनवाया मानों समान नागरिक संहिता का अर्थ आदिवासियों का अहित। कहा भाजपा मुस्लिम आबादी को टारगेट बना कर समान नागरिक संहिता से हिंदुओं के वोट पटाने, उन्हे गोलबंद बनाने के ख्याल में थी और अब चिंता है कि फटाफट इस मसले से पिंड छुडाओं!

सोचे, सबकुछ मोदी सरकार के कंट्रोल में। सारा मीडिया और उसका नैरेटिव मोदी सरकार के इशारों पर। लेकिन बावजूद इसके समान नागरिक संहिता की वाहवाही बनने की बजाय कैसे उसके खिलाफ तमाम तरह के विरोध!

इसलिए क्योंकि समय खराब है। तभी प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह के फैसले हडबडी वाले हो रहे है। वैसे हिसाब से फैसले ले ही नहीं पा रहे है। विधानसभा चुनाव कैसे लड़ा जाए, किन चेहरों को प्रोजेक्ट करके लड़ा जाए, प्रदेश अध्यक्ष, केंद्रीय केबिनेट और सगंठन के फैसलों के लिए घंटो-घंटो बैठके हो रही है लेकिन सबकुछ क्या अटका हुआ नहीं?

हरिशंकर व्यास

मौत के पहली मृत्यु

मुफलिसी दर्द दीन सह लेता है।
जैसे-तैसे जीवन-नदी में बह लेता है।।
कहता नही वो किसी से भी
आँसू का घूँट पीकर रह लेता है।।
हर कोई चाहते सम्मान से जीना
पर दम्भी जीने नही देता है।
ज्यों-ज्यों आती खुशहाली
हृदय में चुभन कर लेता है।।
फिर आमुख पीड़ाओ की कथा
जलाहत,अपमानित की व्यथा।।
किसी की ग्रीवा में उपानहों की माला
किसी के वक्ष में चलती भाला।
कही वनिता को अपहरण कर
तो कही,कही पर चिरहरण कर।।
किसी के देह में मेह करके
किसी के जीवन को हेय करके।।
निज को दीर्घ दिखाने की कोशिश में
जाति-धर्म के मदहोशी में।
अर्जित सम्मान को धूमिल करते
गाँव-समाज से बेदाखिल करते।।
फिर अपमानों का षणयंत्र गढ़ते है
कालिख तीव्रगति से मढ़ते हैं।
जनमानस कद्र के लिए तो जीते हैं
और इसी के लिए धरा में मरते हैं।
पर मौत के पहिली मृत्यु
शायद हाँ! इसी को तो कहते हैं।।

चन्द्रकांत खुंटे क्रांति
जांजगीर-चाम्पा छत्तीसगढ़

पर्यावरण प्रदूषित मन दूषित

कलयुग के काल का प्रभाव देखो।
पर्यावरण आज प्रदुषित देखो।
जल,वायु,धरा,दउषइत हुई आज ।
मानव मन दूषित है आज।
दूषित वायु, दूषित जल,
घर घर में उपलब्ध है आज।
लूट, लपेट ,चोर ,शोर
चारों ओर मचा है आज।
रिश्तों नाते टूट चुकें आज।
करतूतों से मनुज न आता बाज।
सृष्टि का विकास चक्र ही,
चरमरा गया है आज।
ज्ञान विज्ञान की हुई प्रगति।
मानव विकास की हुई दुर्गति।
मनुष्य में छाई वहीं पिपाशा।
खत्म हुई आत्म विकास की जिज्ञासा।
सत्य से दूर जा पहुंचा मनुज।
खत्म हुआ उसका स्वरूप।
पुरुषार्थ का हो गया पतन।
सुख सुविधा का हुआ जतन।
जीवन मरने का भेद न जाना।
स्वयं को कभी न पहचाना।
कर प्रपंच नित नए
लगे रहे सुख साधन में।
कारखाने कतारों में खड़े।
राकेट आकाशों में छोड़े।
विजयी रहा हर बिमारी पर।
गगन को चुमते आज है घर।
अणु और परमाणु से
नित- नए प्रयोग किये।
बम्बो से सारी दुनिया को
एक पल में बिहोश किए।
ऐसे कारनामे नित करते गए।
सम्पूर्ण सच्चाई को छोड़ते गए।
योग, ध्यान, व्रत,नियम, भूलकर,
वेदों से अपना पीछा छुड़ाते गए।
अध्यात्म है जीवन के लिए,
इस बात को भूलते गए।
वसुधैव कुटुम्बकम की
भावना भूलते गए।

प्रेमा पटेल
वाराणसी
उत्तरप्रदेश

अन्नदाता किसान

मोर छत्तीसगढ़ के किसान।
तैंय आवच भारत के शान।।
एक हाथ म नागर धरे हच,
दूसर हाथ म धरे हच तुतारी।
बईला चलत हे आगु-आगु,
खेत ह आवय तोर महतारी।।
सबले हवच अन्नदाता महान।
मोर छत्तीसगढ़ के किसान।।
घाम-पियास म बूता करके,
गारके पछिना अन्न उपजाथच।
खूद भूखे पेट लाघन रहिके,
पेट भर जन-जन ल खवाथच।।
तोला कहिथें बिसनु भगवान।
मोर छत्तीसगढ़ के किसान।।
पीरा म कलहरत आँसू बोहात हे,
कोनों नईये तोर काँटा निकलईया।
अपन-अपन सब रोटी सेंकत हें,
खादी ह सुध नई लेवत हे भईया।।
देश के खातिर होगे कुर्बान।
मोर छत्तीसगढ़ के किसान।।

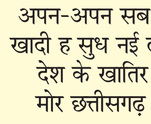

अशोक कुमार यादव
मुंगेली,
छत्तीसगढ़

अंधविश्वास,रूढ़िवादिता और धार्मिक कट्टरता देश की उन्नति के लिए बड़े अवरोध

शिक्षा के प्रयासों से इसे दूर करें

धार्मिक रूढ़िवादिता,कट्टरपंथी धर्मांधता हमारी प्रगति के बड़े बाधको में से एक है। यह हमारी राहों के कंटक और रोड़े साबित हुए हैं। उनसे हमें हर हाल में छुटकारा पाना होगा। बुनियादी शिक्षा के प्रचार प्रसार से इसके अवरोधों को जनमानस के माध्यम से दूर किया जाना चाहिए ।जो विषय वस्तु आजाद विचारों मान्यताओं को बर्दाश्त नहीं करती उन्हें समाप्त हो जाना चाहिए, ऐसी अन्य और मानवीय कमजोरियां हैं, जिन पर हमें विजय प्राप्त करनी है। इस कार्य के लिए सभी समुदायों के क्रांतिकारी उत्साही नौजवानों की आवश्यकता है। यह बात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद भगत सिंह ने अपने संगठन नौजवान भारत सभा के लाहौर में प्रकाशित घोषणा पत्र में लिखी थी। शहीद भगत सिंह ने अपने जीवन का बलिदान कर भारत को आजादी दिलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी, पर आजादी के बाद भी भारत का जनमानस उन्हीं अंधविश्वास धर्मांधता तथा रूढ़िवाद पर फंसा हुआ है।और अभी भी इस युग में अंधविश्वास का बोलबाला दिखाई देता है। बिल्ली रास्ता काट दे तो यह समझना कि राह में दुर्घटना होने की संभावना हो सकती है। घर से निकलते समय कोई छींक दे तो यह समझना कि होने वाला काम बिगड़ जाएगा,और घर में कौवे के बोलने से यह अर्थ निकाला जाए कि घर में मेहमान आने वाले हैं। छोटी चिड़िया यदि मिट्टी की धूल से खेल रही हो तो यह समझा जाए की घनघोर बारिश होने वाली है, आदि इत्यादि ऐसी कई धारणाएं हैं, जिनका कोई वैज्ञानिक तथा सामाजिक प्रमाण, तर्क या आधार मौजूद नहीं है। फिर भी बड़ी संख्या में लोग इन बातों पर विश्वास करके अपनी नियति तय करने में जुट जाते हैं, अपने विवेक का प्रयोग किए बिना ही इन बातों पर विश्वास कर लेना ही अंधविश्वास माना जाता है।

कुछ लोग तेरा के अंक को अशुभ मानते हैं, तो कई देश किस अंग को शुभ भी मानते हैं। मृत्यु के बाद भी अनेक तरह के अंधविश्वास जी एवं आडंबर संयुक्त कर्मकांड किए जाते हैं। एवं इन कर्मकांड को नहीं किए जाने पर मनुष्य की आत्मा भूत बनकर इर्द गिर्द मंडराती है। और इस तरह के भूत मनुष्य जाति को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं, ऐसी मान्यताएं अंधविश्वास के साक्षात प्रमाण हैं। अधिकतर भारतीय ग्रामीण अभी भी यह मानते हैं कि पृथ्वी शेषनाग पर टिकी हुई है और भूकंप आने पर वह इस बात का दावा करते हैं कि शेषनाग नाराजगी कारण पृथ्वी हिलने लगी है,और भी पूजा पाठ करने में लग जाते हैं।चंद्र ग्रहण तथा सूर्य ग्रहण के समय भी ग्रामीण क्षेत्र में लोगों द्वारा ऐसे ही कयास लगाए जाते हैं, और फिर ग्रहों की पूजा की जाती है। पूजा करना बहुत अच्छी बात है,ईश्वर में आस्था होनी चाहिए यह एक तरह की एकाग्रता तथा अदृश्य शक्ति के प्रति आप का समर्पण भाव दिखाती है। ईश्वर से लगाओ तथा ईश्वरीय शक्ति के आगे समर्पण एक स्तुत्य के कार्य है। पर इसके पीछे अंधविश्वास को पुष्पित पल्लवित करना खतरनाक भी हो सकता है। इसके अतिरिक्त ग्रह के चक्कर को दूर करने के लिए किसी विशेष जाति अथवा पत्थर की अंगूठी पहनना विशेष मंत्र वाला ताबीज पहनना जादू टोना तथा टोटका करवाना आदि अंधविश्वास के बड़े उदाहरण हैं ।

और इन सब अंधविश्वास के चक्कर में अनेक लोग धोखाधड़ी तथा शोषण के शिकार होते देखे गए हैं।

। अंधविश्वास धर्मांधता एक सामाजिक बुराई की तरह दिखाई देती है, जो निश्चित तौर पर देश के विकास के लिए बड़ी बाधा बन जाती है। संत कबीर दास ने बड़ी बेबाकी से इस अंधविश्वास पर अपनी कविता के माध्यम से गहरा कटाक्ष किया है,

अरिहरन की चोरी करै,
करे सुई का दान,
ऊंचा चढ़ी के देखता,
केतिक दूर विमान।

दोहे का अर्थ है, मानव कुमार्ग के पथ पर चलकर कमाए गए अनैतिक धन का बहुत छोटा सा भाग दान कर आकाश की ओर देखता है कि उसको स्वर्ग ले जाने वाला विमान कितनी दूर है। अज्ञानी मानव का यह सोचना एक बड़े अंधविश्वास को दर्शाता है। किसी भी गरीब स्त्री की जमीन जायजाद को हड़पने के लिए जमीदारों या मुखिया द्वारा गांव में उसे डायन घोषित कर देना या ईश्वर को खुश करने के लिए मनुष्य की नरबलि दे देना या पशुओं की बलि देना एक बड़ा अंधविश्वास माना जाता है। इन सब अंधविश्वास से समाज में विसंगति फैलती है एवं जो साक्षरता तथा मानवता के लिए बड़े खतरे और विकास के लिए अवरोध पैदा करने के तथ्य हैं। इनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई कर इनको सजा देकर समाज में अंधविश्वास के खिलाफ सरकार को एक स्वस्थ संदेश देने की आवश्यकता है। समाचार पत्र, टीवी चैनल, इंटरनेट इन सब में राशिफल, वास्तु शास्त्र हाथ में पहनने वाले पत्थरो के बारे में जोर शोर से प्रचार प्रसार किया जाता है, जबकि इन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्योंकि इनके चलते बड़े-बड़े जालसाज तथा ठग लोगों से पैसा तथा सोने चांदी की ठगी करने से नहीं चूकते। यह अंधविश्वास यद्यपि सिर्फ भारत में ही नहीं है बल्कि ब्रिटेन ऑस्ट्रेलिया कनाडा अमेरिका तथा साउथ अफ्रीका में भी इसी बड़े पैमाने पर व्याप्त है। यदि अशिक्षित मनुष्य अंधविश्वासों को मानता है तो यह बात समझ में आती है कि वह वास्तविकता से अशिक्षा के कारण अनभिज्ञ है, एवं इनके परिणामों के बारे में नहीं जानता है। किंतु यह विडंबना तथा अफसोस की बात है कि इस वैज्ञानिक युग में उच्च शिक्षित लोग अनेक प्रकार के अंधविश्वासों से घिरे हुए हैं। शिक्षा अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर विवेकपूर्ण सोचने की शक्ति प्रदान करती है, इसके बाद ही मनुष्य विज्ञान तथा तर्क के आधार पर इसको परख कर किसी बात को मान्यता देता है। अतः अंधविश्वास धर्मांधता के खिलाफ शिक्षा जगत तथा शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में इस विषय को शामिल कर अशिक्षित तथा शिक्षित दोनों को अंधविश्वास के प्रति सचेत कर इसके दुष्परिणामों के बारे में अच्छे से समझा देना चाहिए तभी अंधविश्वास समाज से दूर हो पाएगा।

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी
रायपुर
छत्तीसगढ़,

भारतवासी होने पर गर्व है मुझे

चोर, उचक्के, देशद्रोही, कृतघ्न या संवेदनहीन लोगों को छोड़कर बाकी सभी को अपनी मातृभूमि से प्यार होता है! उन्हें अपने देश की संस्कृति, सभ्यता तथा परंपरा से प्रेम होता है और वे अपने देश की एकता, अखंडता, प्रभु सत्ता तथा स्वतंत्रता के लिए कोई भी कुर्बानी देने के लिए तैयार हो जाते हैं! अतः मुझे भी मेरे भारतवासी होने पर गर्व है! इसका मूल कारण यह है कि मैंने इस देश में जन्म लिया है! इस देश ने मुझे रोटी, कपड़ा और मकान दिया है, मैं इस देश की संस्कृति, सभ्यता तथा परंपरा से जुड़ा हुआ हूं। मुझे जन्म देने तथा मेरा लालन-पालन करने के लिए मैं इस देश का सदा ऋणी रहूंगा। देश मेरी मां की भी मां है। मैं इसे सहर्ष भारत माता कहता हूं।

चीन तथा भारत की संभवतः सबसे पुरानी सभ्यताएं हैं। भारत का सनातन धर्म सबसे पुराना धर्म है। मुस्लिम धर्म, बुद्ध धर्म, जैन धर्म, सिख धर्म आदि हमारे देश के प्रमुख धर्म हैं। रामायण, महाभारत, वेद, पुराण आदि हमारे प्राचीन आध्यात्मिक ग्रंथों में से हैं। यहां सभी धर्मों को मानने वाले श्रद्धालु आपस में प्रेम, प्यार, संयम, सहयोग तथा समर्पण भावना से रहते हैं। हमारे यहां अहिंसा परमो धर्मः माना जाता है। महाराजा अशोक कलिंगा के युद्ध में मृतकों तथा जख्मी लोगों की संख्या देखकर इतने आहत हुए कि उन्होंने बुद्ध धर्म को अपना लिया तथा देश विदेश में अपने परिवारजनों तथा अन्य लोगों को शांति का पाठ पढ़ाने के लिए भेजा। हमारे देश में रामायण, महाभारत तथा गीता का प्रभाव घर-घर में देखा जा सकता है। बुद्ध धर्म देश-विदेश में हमारे शांति तथा अहिंसा के पाठ का प्रचार कर रहा है। भगवान महावीर में श्रद्धा रखने वाले जैन धर्म के श्रद्धालु सन्मार्ग पर चल रहे हैं। गुरु नानक देव जी ने जो सिख धर्म की स्थापना की उसे बाद में 9 और गुरुओं ने आगे बढ़ाया। गुरु ग्रंथ साहब तथा श्री अमृतसर का स्वर्ण मंदिर(गोल्डन टेंपल) गुरु धर्म तथा आस्था का केंद्र बनकर श्रद्धालुओं को.. किरत करो, वंड के खाओ, देह शिवा वर मोहे इह, शुभ कर्मन से कभहों ना टरों का पाठ पढ़ा रहे हैं। हमारे यहां मुस्लिम धर्म तथा परंपरा के विश्वास करने वाले लोग अपने धर्म कर्म के अनुसार जीवन यापन करते रहे हैं।

भारत को कभी... सोने की

चिड़िया.. कहा जाता था। बेशक सिकंदर, मोहम्मद गौरी, अहमद शाह अब्दाली जैसे कुछ अक्रांता आए और यहां की बेशुमार धन संपत्ति लूट कर वापस चले गए लेकिन उनमें से बहुत सारे भारत की बेहतरीन सभ्यता, संस्कृति तथा परंपरा से इतने प्रभावित हुए कि भारत में ही बस गये तथा उसे अपना घर बना लिया। 1526 में बाबर ने मुगल सल्तनत की स्थापना की। उसके वंशज भारत निवासी बनकर रह गए। बेशक उनमें से कुछ ने तलवार के बल पर हिंदुओं को मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए बाध्य किया , यही कारण है कि बहुत सारे मुसलमानों में आज भी हिंदू धर्म की छाप देखी जा सकती है। हमारे देश में हिंदू तथा मुसलमान मिलजुल कर एक दूसरे के त्योहारों को मनाते हैं। 1947 में भारत विभाजन के बाद बहुत सारे मुसलमान पाकिस्तान चले गए लेकिन बहुत सारे मुसलमान लोगों ने भारत को ही अपना घर समझकर यही रहना पसंद किया। भारत में हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन आदि सभी धर्मों के लोग मिलजुल कर रहते हैं। भारत में अनेकता में एकता पाई जाती है जो कि सारी दुनिया के लिए एक मिसाल है।

भारत की शानदार सभ्यता, संस्कृति तथा परंपरा दुनियाभर में मिसाल बनी हुई है। हमारे यहां अनेकता में एकता पाई जाती है। अलग-अलग धर्मों, क्षेत्रों, भाषा, रीति-रिवाजों के लोग मिलजुल कर रहते हैं। अंग्रेजों से आजादी हासिल करने के लिए सभी ने मिलजुल कर कंधे से कंधा मिलाकर अनेकों अनेक त्याग किए, कुर्बानियां दी। आखिरकार महात्मा गांधी के नेतृत्व में बिना खून खराबा किए हमें 15 अगस्त, 1947 में अंग्रेजों से आजादी मिली। भारत में 26 जनवरी, 1950 को अपने संविधान के अनुसार देश तथा राज्यों का शासन चलाना शुरू किया। हमारे यहां लोकतंत्र की पार्लियामेंट्री फॉर्म आफ गवर्नमेंट है। हर 5 साल में राज्यों तथा केंद्र में चुनी हुई सरकारों की बनाने की परंपरा है। संविधान के मुताबिक लोगों के अपने मौलिक अधिकार हैं जिन्हें प्राप्त करने के लिए न्यायालय के पास जाया जा सकता है देश के प्रशासन को सुचारू ढंग से चलाने तथा मतभेद मिटाने के लिए न्यायपालिका, कार्यपालिका तथा विधायका हैं। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मीडिया है। इनके अपने-अपने कार्यक्षेत्र हैं। भारत राज्यों का संघ है, जिसके मार्गदर्शन के लिए केंद्र सरकार है जिसका काम करेंसी, देश की सुरक्षा तथा दूसरे देशों के साथ संबंध स्थापित करना तथा संयुक्त राष्ट्र की गतिविधियों में भाग लेना है। मुझे अपने इस प्रकार के देश पर गर्व है। लोगों की आस्था का कमाल तो देखो कि यहां पर लोग पत्थरों, वृक्षों, नदियों, पहाड़ों, जीव जंतुओं आदि की भी पूजा करते हैं। लोगों में अपने बुजुर्गों, माता-पिता तथा गुरुजनों के मान सम्मान का विशेष ध्यान न केवल उनके जीते जी बल्कि उनके मरने के बाद भी श्राद्ध आदि के द्वारा किया जाता है। हर साल पितृपक्ष में अपने स्वर्गवासी पितरों के नाम श्राद्ध करते हैं। हमारे यहां लोग धर्म कर्म में विश्वास करते हैं। लोक परलोक में उनकी आस्था है। अच्छे कर्मों के द्वारा लाख चौरासी के जन्म मरण के चक्र से मुक्त होने का विश्वास किया जाता है। पूजा, पाठ, व्रत, दान, तीर्थ यात्रा तथा तीर्थ स्नान तथा विशेष विशेष अवसरों पर पवित्र नदियों में कुंभ स्नान करके मुक्ति प्राप्त करने की लोगों की आस्था है। स्त्री के लिए लाज, शर्म, संकोच, सच्चरित्र, मर्यादा ही उसके गहने हैं। हमारे यहां स्त्रियां अपने पति की दीर्घायु के लिए करवा चौथ का व्रत रखती हैं। हमारे यहां पिता के कहने पर श्री रामचंद्र जी जैसे आज्ञाकारी पुत्र 14 वर्ष के लिए वन में चले जाने की शानदार परंपरा निभाते हैं। सीता जैसी पतिव्रता स्त्री के लिए अपनी पवित्रता साबित करने के लिए अग्नि परीक्षा दिए जाने की भी परंपरा है। हनुमान जैसे श्री राम भगत सेवक को कौन भूल सकता है। श्री कृष्ण सुदामा की मित्रता के किस्से सारी दुनिया में मशहूर है। गीता का अमर संदेश हमारी आत्मा में बसा है। हमारे यहां... सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे भवंतु निरामयाः.... लोगों की नस-नस में भरा है। पहले दूसरे का भला, फिर अपना भला.... यह हमारी चिंतन प्रवृत्ति है। दया, धर्म, त्याग, पश्चाताप, क्षमादान, दान, पुण्य, निस्वार्थ भावना से सेवा करना आदि हमारी संस्कृति का हिस्सा रहे हैं। हमारे यहां सभी जातियों, धर्मो, संप्रदायों, रीति-रिवाजों वाले लोग मिलजुल कर ही रहते हैं।

समय-समय पर कुछ शरारती तत्व लोगों में आपसी फूट, कलह, क्लेश, तथा झगड़े फसाद कराने की कोशिश करते हैं, कुछ खून खराबा तथा नुकसान भी हो जाता है। परंतु कुछ समय बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है। हमारे यहां... अतिथि देवो भव... की बहुत शानदार परंपरा है। और दुश्मन को भी कुछ हद तक माफ कर दिया जाता है। लेकिन यहां के लोग अकलमंद, बहादुर, निडर, पराक्रमी तथा विद्वान हैं। आजकल विश्व में चीन के बाद भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। भारत विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। अंतरराष्ट्रीय मामलों में हमारी आवाज सम्मान के साथ सुनी जाती है। भारत संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद का सदस्य बनने के लिए प्रयत्नशील है। एशिया उपमहाद्वीप में भारत को एक सशक्त देश माना जाता है। जरूरत पड़ने पर भारत संसार के कई देशों की मदद करता रहता है। चीन तथा पाकिस्तान के साथ हमारे संबंध खटास वाले चल रहे हैं। लेकिन भारत की शक्ति को देखते हुए उनमें से कोई भी हमसे पंगा लेने की हिम्मत नहीं करता। अतः यह देश प्रायोजित आतंकवाद के माध्यम से हमारे लिए समस्याएं पैदा करते रहते हैं। बेशक भारत साधु, संतों, मुनियों तथा तपस्वियों का देश है सिख गुरु गुरु गोविंद सिंह जी के एक हाथ में पूजा पाठ करने की माला तथा दूसरे हाथ में तलवार से दुनिया को हमारा आत्मरक्षा का संदेश भी स्पष्ट है। इन सब बातों को लेकर मुझे अपने देश के ऊपर गर्व होना स्वाभाविक है।

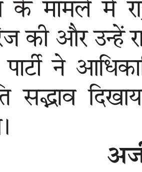

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक
हरियाणा

इस बारे में सोचना चाहिए हमें

आज के समय में सभी लोग यें बात कहते हैं कि आज की युवा पीढ़ी कितनी बदलती जा रही हैं । किसी कों किसी सें मतलब नही रहा , वो प्यार , चाहत और देख-भाल क्या होता हैं, किसी कों कुछ पता ही नही , सब काम में व्यस्त हैं शायद इसलिए। मगर काम के साथ साथ आज भी इतनें सारे बच्चें हैं जों काम,घर,परिवार,पत्नी,सभी कों देख लेते हैं कैसें ???

बडी ही साधारण सी बात कि लोग आज कल छोटे बच्चें कों कहतें यें पढो , कोचिंग करों , टुसन भी लगा रखें,इसमें भी पता नही कौन कौन सा क्लास । अब आप ही बताए जिसनें बचपन सें यह सिखा कि बाहर जाकर पढ़ना और खुश रहना । वों घर में बस रात में रहता , पापा थक जाते दुकान सें और माँ घर सें और बच्चे पढ़ाई सें सब सों जाते फिर अगला दिन फिर वही सब तों बाद में अपनें परिवार के बीच कैसे रहेगा। उसे क्या पता कि माँ-बाप कों क्या चाहिए , प्यार , साथ , देख-भाल भी कुछ होता हैं। उसे बस एक बात का पता हैं कि उससें पैसे कमानें हैं। ज्यादा से ज्यादा पैसे कमाना हैं घर में हर खुशियाँ देना हैं। आप उसे बचपन में समय दिए होते तों आज वों ऐसा नही होता । युवा पीढ़ी बिगड़ रही हैं मैं भी देख रही हुं , इस बात पे चर्चा नही , इसे हमें ही बदलना चाहिए । बच्चों पर बचपन सें पैसे का लालच उसके दिमाग में डालना बंद करें। कम पैसे ही कमाए मगर परिवार के साथ रहे ,वों प्यार दें,इज्जत दें तों घर में खुशियाँ ही खुशियाँ होगी।

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर बिहार

केजरीवाल को कांग्रेस की जरूरत!

कांग्रेस से लड़ते लड़ते अरविंद केजरीवाल को अब कांग्रेस की जरूरत महसूस होने लगी है। असल में आम आदमी पार्टी की पूरी राजनीति कांग्रेस के साथ किसी न किसी रूप में जुड़ी है। अगर कांग्रेस कमजोर होगी तो उसके दम पर आम आदमी पार्टी फल-फूल सकती है, जैसे देश की कई प्रादेशिक पार्टियों के साथ हुआ है। दूसरी स्थिति यह है कि कांग्रेस मदद करे तो आम आदमी पार्टी मजबूत हो सकती है। इन्हीं दो मॉडल पर क्षेत्रीय पार्टियां राज्यों में मजबूत हुई हैं। जहां जहां कांग्रेस कमजोर होती गई वहां क्षेत्रीय पार्टियों ने उसकी जगह ले ली और जहां कांग्रेस ने किसी क्षेत्रीय पार्टी से तालमेल किया वहां भी वह क्षेत्रीय पार्टी कांग्रेस का वोट लेकर मजबूत हो गई। अरविंद केजरीवाल की पार्टी की सफलता की भी ये ही दो स्थितियां हैं। अभी तक जिन राज्यों में आम आदमी पार्टी आगे बढ़ी है और मजबूत हुई है वहां वह कांग्रेस की कीमत पर हुई है। दिल्ली, पंजाब और गुजरात इन तीनों राज्यों में कांग्रेस के वोट लेकर ही आम आदमी पार्टी आगे बढ़ी है। लेकिन अब किसी अन्य राज्य में ऐसी स्थिति नहीं दिख रही है कि कांग्रेस का एकमुश्त वोट आम आदमी पार्टी की ओर शिफ्ट हों, इसलिए केजरीवाल को अब कांग्रेस की मदद की जरूरत महसूस हो रही है।यह अनायास नहीं है कि केंद्र के अध्यादेश पर कांग्रेस की ओर से रुख स्पष्ट नहीं करने के बाद भी आम आदमी पार्टी उसके प्रति सद्भाव दिखा रही है। दो ऐसे संकेत मिले हैं, जिनसे लग रहा है कि केजरीवाल की पार्टी के रुख में नरमी आई है। पहला संकेत तो यह है कि गुजरात हाई कोर्ट ने जब मानहानि के मामले में राहुल गांधी की याचिका खारिज की और उन्हें राहत नहीं दी तो आम आदमी पार्टी ने आधिकारिक बयान में राहुल के प्रति सद्भाव दिखाया और उनका समर्थन किया।

अजीत द्विवेदी

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

अमेरा (लहपटरा) सहकारी समिति में किसानों को

सही समय पर रसायनिक खाद नहीं मिलने पर किसान हुए आक्रोशित

» भाजपा ने समिति का किया घेराव

» किसानों ने लगाया आरोप रासायनिक खाद के साथ जबरन थमाया जा रहा है मुरूम मिट्टी वाला जैविक गोबर खाद

» अनेकों किसानों के खाते से फर्जी केसीसी का मामला आया सामने-

» भृत्य को बना दिया गया समिति प्रबंधक

» भाजपा मंडल के पदाधिकारियों ने किसानों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आंदोलन करने की दी चेतावनी -

» अन्नदाताओं का केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार सभी किसी-किसी योजना के माध्यम से किसानों की हालत को सुधार करने का दावा करते हैं परंतु जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती हैं

» समिति अमेरा (लहपटरा) में इन दिनों काफी खींचातानी की स्थिति निर्मित हो रही है जहां लाखों रुपए का घोटाला हो चुका हैं जिससे समिति प्रबंधक सहित तीन लोगों के ऊपर अपराध दर्ज कर जेल भी दाखिल किया जा चुका है

-मनोज कुमार-
लखनपुर,11 जुलाई 2023(घटती-घटना)।
लखनपुर विकासखंड के अंतर्गत हमेशा ही सुर्खियों में रहने वाले जिला सहकारी समिति अमेरा (लहपटरा) के किसानों को काफी दिनों से रसायनिक उर्वरक ,कृषि ऋण सहित जबरन गोबर खाद के संबंधित कार्य को लेकर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों की समस्याओं को देखते हुए 11 जुलाई दिन मंगलवार को लखनपुर मंडल के भाजपा पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं के द्वारा अमेरा समिति पहुंचकर घेराव कर प्रदर्शन किया गया। भाजपा पदाधिकारियों ने समिति प्रबंधक से किसानो को जल्द से जल्द केसीसी ऋण सहित रासायनिक खाद के वितरण किया जाए तथा जबरन किसानों को गोबर खाद दिए जाने पर भाजपा के द्वारा आंदोलन किया जाएगा। यहां किसानों की समस्या का निराकरण प्रशासन अभी तक नहीं कर पाई समस्या और विकराल रूप धारण करते जा रही है।किसानों को समय से रासायनिक उर्वरक नहीं मिल पा रहा है जिसे लेकर किसानों में आक्रोश व्याप्त है।

किसानों को समिति प्रबंधक लगातार बदलने के वजह से पोस मशीन में थम्ब नहीं लगने का मुख्य कारण किसानों को रसायनिक उर्वरक खाद नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए समिति का चक्कर काटने को किसान मजबूर है। रासायनिक खाद के साथ मुरूम मिट्टी मिक्स गोबर खाद जबरन दिया जा रहा है किसानों को रासायनिक खाद के साथ-साथ मिटटी मुरम युक्त जैविक गोबर खाद देने का भी आरोप किसानों के द्वारा लगाया जा रहा है किसान जबरन गोबर खाद न दिए जाने की भी मांग कर रहे हैं। समिति प्रबंधक के द्वारा किसानों के ऊपर दबाव बनाकर जबरन रसायनिक गोबर खाद वितरण किया जा रहा है। रसायनिक गोबर खाद लेने से मना करने पर किसानों को रासायनिक खाद यूरिया का वितरण नहीं किया जाता है जिसे लेकर किसान आक्रोशित है। किसानों की समस्याओं को देखते हुए भाजपाइयों के द्वारा अमेरा समिति का घेराव किया गया था साथ ही बिना किसान के सहमति के गोबर खाद का वितरण किए जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी मंडल लखनपुर के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष व भाजपा नेता राजेश अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू ,सुभाष अग्रवाल, राजेंद्र जयसवाल ,कामेश्वर राजवाड़े सहित तमाम आसपास सैकड़ों की संख्या में किसान उपस्थित रहे।

भृत्य को बना दिया गया समिति प्रबंधक जिसके कारण अव्यवस्था का आलम-

जिला प्रशासन कृषि सेवक संचालक सहित अधिकारियों की गैर जिम्मेदाराना रवैया के कारण किसान इस समय कृषि संबंधित रासायनिक खाद सहित कृषि ऋण के लिए भटकने को मजबूर मनमाने तौर समिति प्रबंधक बनाकर पूरी अव्यवस्था पसरा हुआ है। लगभग 16 वर्षों से अमेंरा समिति में भृत्य के पद पर कार्य कर रहे हैं 12वीं फेल भृत्य को समिति प्रबंधक बना दिया गया है। जिससे समिति में अव्यवस्थाओं का आलम फैला हुआ है।

पोस मशीन में पूर्व समिति प्रबंधक के फिंगर से खुलता है जिसके कारण अन्यत्र दूसरी जगह समिति में होने की वजह से पोस मशीन बार-बार फिंगर नहीं होने से किसानों को हो रही है रासायनिक उर्वरक लेने में दिक्कत।

इस संबंध में पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने कहा कि खेती कार्य प्रारंभ हो चुका है। और किसानों को समय से खाद नहीं मिलना ,मुरूम मिट्टी युक्त गोबर खाद वितरण करना फर्जी ऋण भी किसानों के खाते में दर्शाया जा रहा है। किसानों की समस्याओं को देखते हुए समिति का घेराव किया गया है। समिति प्रबंधक को चेतावनी दी गई है कि किसानों के सहमति के बिना जबरन किसानों को मुरूम मिट्टी युक्त गोबर खाद वितरण किया जाएगा तो बड़े रूप में आंदोलन किया जाएगा भाजपा पार्टी किसानों के साथ खड़ी है।

राजेश अग्रवाल
पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत

इस संबंध में अमेंरा समिति प्रबंधक लालजीत यादव ने कहा कि ऊपर से मिले निर्देश का पालन करते हुए रासायनिक खाद के साथ वर्मी गोबर खाद किसानों को वितरण किया जा रहा था। किसान के अनुमति बिना वर्मी गोबर खाद नहीं दिया जाएगा। क्षेत्र के लगभग 500 किसानों को वर्मी गोबर खाद का वितरण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि वर्मी गोबर खाद मुरूम मिट्टी मिक्स है जिसे किसान नहीं लेना चाहते। 16 वर्षों से अमेरा समिति में कार्यरत हूं। किसानों के सहमति से मुझे समिति प्रबंधक बनाया गया है।

लालजीत यादव प्रबंधक
समितिअमेरा (लहपटरा)

निगम आयुक्त के खिलाफ कांग्रेसी नेताओं को देना पड़ा धरना,अपमानजनक व्यवहार करने का लगाया आरोप

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11जुलाई 2023(घटती-घटना)।
नगर निगम आयुक्त द्वारा अपमान जनक व्यवहार करने का आरोप लगाकर मंगलवार को कांग्रेस नेताओं को निगम परिसर में धरना पर बैठना पड़ा। इस दौरान नेताओं ने मुख्यमंत्री के नाम महापौर को ज्ञापन सौंपकर निगम आयुक्त को हठधर्मी अधिकारी बताते हुए इन्हें तत्काल यहां से अन्यत्र स्थानांतरिक करने की मांग की है। अंबिकापुर के विधायक प्रतिनिधि दिलीप धर के साथ अपमान करने का मामला सामने आया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि विगत दिवस नगर पालिक आयुक्त भगवानपुर क्षेत्र में शासकीय प्रयोजन के लिए खुली भूमि की तलाश में भ्रमण पर थी। जानकारी मिलने पर मैं वहां पहुंचा। इस दौरान मैं कुछ पूछ पाता इससे पहले निगम आयुक्त ने मुझे देखते ही बोली कि तुम कौन, मैंने कहा की मैं विधायक प्रतिनिधि हूं। मैडम ने कहा कि क्या चीज के प्रतिनिधि हो?। मैंने जवाब दिया कि मैं उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव का प्रतिनिधि हूं। साथ ही मैंने अपना परिचय सचिव जिला कांग्रेस तथा बंग समाज के अध्यक्ष के रूप में भी बताया। इसके बावजूद भी आयुक्त ने मुझे तुम निकलो कह कर अपमानित किया। मेरे बार-बार निवेदन के बाद भी आयुक्त अपने नगर निगम अमले के सामने तिरस्कृत भाव से बाहर निकलो बाहर निकलो तुम किसी के भी प्रतिनिधि हो यहां पर किसी की भी जरूरत नहीं है। इसके बाद में वापस आ गया। निगम आयुक्त द्वारा अपमानजनक व्यवहाकर किए जाने से नाराज विधायक प्रतिनिधि दिलीप धर ने कांग्रेस पदाधिकारी सहित कई कार्यकर्ताओं के साथ निगम कार्यालय पहुंचेकर धरना पर बैठ गए। इस दौरान नाराज नेताओं ने महापौर अजय तिर्की, छत्तीसगढ़ श्रम आयोग के अध्यक्ष शफी अहमद, कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता, द्वितेन्द्र मिश्रा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर निगम आयुक्त को हठधर्मी अधिकारी बताते हुए इन्हें तत्काल यहां से अन्यत्र स्थानांतरिक करने की मांग की है।

पहाड़ी कोरवाओं को नहीं दिया जा रहा राशन,भूखे सोने को मजबूर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11जुलाई 2023(घटती-घटना)।
शहर से लगे ग्राम कान्ती प्रकाशपुर में शासकीय राशन दुकान से हितग्राहियों को ग्राम सरपंच द्वारा चावल न दिये जाने की शिकायत क्षेत्र के पहाड़ी कोरवा समुदाय की महिलाओं ने मंगलवार को जनदर्शन में कलेक्टर से की है।

शिकायत में पहाड़ी कोरवा महिलाओं ने कहा कि वह सभी अंबिकापुर मुख्यालय से लगे कांति प्रकाशपुर कोरवापारा में रहने वाली हैं। ग्राम कांति प्रकाशपुर का सरपंच राजेश एक्का है तथा उसके द्वारा नियुक्त व्यक्तियों द्वारा शासकीय उचित मूल्य दुकान का संचालन किया जाता है। विगत 2 माह से वहां के निवासियों को राशन वितरण नहीं किया जा रहा है। कोरवा आदिवासी परिवार के लोग विगत 2 माह से राशन नहीं मिलने के कारण परेशान हैं। राशन नहीं मिलने से भोजन की समस्या भी उत्पन्न होने लगी है। 4 जुलाई को लुचकी तुरियापारा की प्रमिला तुरिया को सरपंच के सोसायटी से 12 बोरा चावल दिया गया है तथा अन्य व्यक्तियों को चावल न देकर यह कहकर वापस भेज दिया गया कि चावल समाप्त हो गया है इसलिए अब वितरण नहीं होगा। ग्राम वासियों को चावल नहीं मिलने से अनेक परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है तथा उनके बच्चों को भूखों सोना पड़ता है। भारी संख्या में जनदर्शन में पहुंची कोरवा महिलाओं ने काम की प्रकाशपुर के सरपंच के विरुद्ध उचित कार्रवाई किए जाने व राशन दिलाए जाने की मांग की है।

70 लीटर जल उठाकर शिव भक्त कैलाश गुफा के लिए रवाना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11जुलाई 2023(घटती-घटना)।
सावन के पहले सोमवार को बलरामपुर से पहुंचे एक शिव भक्त ने शहर के शंकरघाट से 70 लीटर जल उठाया और बोल बम है हर महादेव नारों के साथ कैलाश गुफा के लिए रवाना हुए। शिव भक्त जो बतौली, लमगांव होते हुए बुधवार को कैलाश गुफा पहुंचेंगे और उसके पश्चात भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। 70 लीटर जल के साथ अब तक की यह अंबिकापुर में सबसे बड़ी कांवर यात्रा मानी जा रही है। इन

अनूठे शिव भक्तों को देखने मार्ग पर लोगों की भीड़ भी बनी रही।

तलवार दिखाकर लोगों को डरा धमका रहा युवक गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11जुलाई 2023(घटती-घटना)।
मणिपुर थाना क्षेत्र के बिलासपुर चौक के पास 11 जुलाई को एक व्यक्ति द्वारा तलवार लहराते हुए आने जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तलवार सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार मणिपुर थाना पुलिस 11 जुलाई को पेट्रोलिंग पर निकली थी। इस दौरान लोगों ने जानकारी दी की बिलासपुर चौक के पास एक व्यक्ति द्वारा हाथ में तलवार लेकर लोगों को डरा धमका रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही आरोपी बाइक से भागने की कोशिश की। जिसे पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह अपना नाम गोलू उर्फ इमानुएल विश्वकर्मा पिता वीरेंद्र राम विश्वकर्मा उम्र 22 वर्ष निवासी गांधीनगर बताया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तलवार भी जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मणीपुर उप निरीक्षक प्रमोद पाण्डेय, सहायक उप निरीक्षक नवल दुबे, प्रधान आरक्षक सतीश सिंह, आरक्षक अतुल शर्मा, इम्तियाज अली शामिल रहे।

कुर्मी समाज के कार्यकारिणी का हुआ गठन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11जुलाई 2023(घटती-घटना)।
कुर्मी समाज सरगुजा के पदाधिकारियों का चुनाव प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर शोभायमान गिरीश पटेल की अध्यक्षता में तथा विशिष्ट अतिथि सरगुजा के संगठन महामंत्री रविंद्र पटेल, सरगुजा संभाग के सचिव तथा राज्य उच्चाधिकार समिति के सदस्य सूरजपुर के जिला शिक्षा अधिकारी ललित पटेल के आथित्य में हुआ ।कार्यक्रम की शुरुआत सरदार वल्लभभाई पटेल एवं छत्रपति शिवाजी के छाया चित्र में माल्यार्पण कर किया गया कार्यक्रम की शुरुआत सरदार वल्लभभाई पटेल एवं छत्रपति शिवाजी महाराज के छाया चित्र में माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। बैठक में सम्मिलित हुए सभी सम्माननीय सामाजिक बंधुओं से चर्चा के उपरांत पुरुष प्रकोष्ठ के कार्यकारिणी तथा महिला प्रकोष्ठ के कार्यकारिणी का गठन गंगापुर के पटेल लॉज में संपन्न कराया गया। पुरुष प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रमोद कुमार चौधरी अंबिकापुर से एवं महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्रीमती दीपलता देशमुख अंबिकापुर से निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष श्री रामनाथ पटेल ग्राम लमगांव से तथा विरेंद्र कुमार सिंह ग्राम कर्रा राजपुर से महिला प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष पूर्णिमा पटेल अंबिकापुर से तथा महामंत्री शशांक चौधरी अंबिकापुर से अजय सिंह अंबिकापुर से निर्वाचित हुए।महिला प्रकोष्ठ से महामंत्री शैलजा सचान एवं कंचन चौधरी अंबिकापुर से सचिव अजय कुमार गंगापुर अंबिकापुर से सह सचिव सोनू सिंह मनोनीत हुए। महिला प्रकोष्ठ से सचिव पुष्पा पटेल निर्वाचित हुई। संगठन सचिव मोहित पटेल , डॉ कृपा शंकर पटेल अंबिकापुर से मनोनीत किए गए। कोषाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह चौधरी अंबिकापुर से निर्वाचित हुए। कार्यकारिणी सदस्य नेतराम कौशिक लमगांव, रामपुकार कौशिक कुंतल लाल पटेल ,रुपेश पटेल लमगांव, पूरन चंद कौशिक चोरकिडीह, राजेश चौधरी, महेंद्र पटेल लमगांव ,कमल पटेल अंबिकापुर, सिया शरण अंबिकापुर, विनोद कुमार चौधरी कुमदा से निर्वाचित हुए।संरक्षक समूह में सुरेंद्र चौधरी नमना कला, त्रिभुवन सिंह लमगांव वीरेंद्र सिंह धौलपुर, ललित पटेल अंबिकापुर, अनुपम पटेल अंबिकापुर, प्रकाश चंद्र मेहता निर्वाचित हुए महिला प्रकोष्ठ से कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती रीना पटेल श्रीमती शीला चौधरी श्रीमती रेनू देवी अंबिकापुर से निर्वाचित हुए। बैठक में आए हुए सभी सामाजिक बंधुओं ने चुनौतियों को स्वीकार कर अपने समाज के लोगों को संगठित करने की इच्छा जाहिर की तथा नवनिर्वाचित पदाधिकारी गण अपने कार्य को बखूबी निभाने का संकल्प लिए।

कांवर यात्रा को लेकर आईजी-एसपी ने रूट का किया निरीक्षण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11जुलाई 2023(घटती-घटना)।
प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी कांवरिया सेवा संघ अंबिकापुर के तत्वावधान में कांवरिया पद यात्रा का आयोजन 13 जुलाई को किया जाना है। कांवर यात्रा शहर के शंकर घाट से जल उठाकर श्रद्धालु पैदल यात्रा कर कैलाश गुफा के लिए रवाना होंगे। इस कार्यक्रम में काफी संख्या में शिव भक्तों को शामिल होने की संभावना को देखते हुए आईजी रामगोपाल गर्ग व पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा द्वारा कांवर यात्रा से पूर्व रूट का निरीक्षण किया गया। रूट निरीक्षण से पूर्व पुलिस अधीक्षक द्वारा कांवरिया सेवा संघ की बैठक लेकर कांवर यात्रा के दौरान होने वाली परेशानियों के बारे में अवगत हुए एवं यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर कांवरिया सेवा संघ से चर्चा करते हुए सभी आवश्यक सुझाव पर तत्काल सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। 13, 14 एवं 15 जुलाई को भारी संख्या में जिले के आमनागरिक रात से ही कांवर यात्रा के लिए शंकरघाट से जल लेकर लुचकी घाट होते हुए चंद्रा रघुनाथपुर एवं बतौली तक पैदल यात्रा करते हैं। बतौली थाना क्षेत्र में कांवरियों के रुकने की व्यवस्था, आवश्यक उपचार की व्यवस्था एवं सुरक्षा के तगड़े प्रबंध किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा ट्रैफिक डीएसपी कामता

सिंह दीवान एवं यातायात प्रभारी जयराम चेरमाको को कांवर यात्रा रूट में भारी वाहनों के रूट को डाइवर्ट करने एवं किसी आकास्मात दुर्घटना को रोकने प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। रूट के सभी थाना, चौकी प्रभारियों को कांवर यात्रा के दौरान चाक चौबंध सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु भी निर्देशित किया गया हैं। बैठक के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, अनिल जायसवाल एवं कांवरिया सेवा संघ के सदस्य एवं पुलिस स्टाप शामिल रहे।

श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े इसलिए शंकरघाट रामानुजगंज रोड में भारी वाहनों के प्रवेश एवं निकासी के लिए 12 जुलाई की शाम 4 बजे से 13 जुलाई की सुबह 8 बजे तक पूर्ण प्रतिबन्ध करने के निर्देश यातायात शाखा एवं सम्बंधित अधिकारियों कर्मचारियों को दिए गए हैं, एवं रामानुनगंज रोड के साथ रामानुजगंज चौक, बंगाली चौक से लेकर खरसिया नाका तक भी इस अवधि में भारी वाहनों के आवागमन पर पूर्ण प्रतिबन्ध जारी रहेगा। खरसिया रोड में भारी वाहनों के आवागमन एवं निकासी पर 12 जुलाई की शाम 4 बजे से लेकर 14 जुलाई की सुबह 8 बजे तक पूर्ण प्रतिबन्ध जारी रहेगा, इस रूट में चलने वाले भारी वाहन उक्त दिनांक एवं समय तक कांवर यात्रा के दौरान इस मार्ग में नही चलेंगे।

कारोबारी प्रीतम सिंह को लेकर दिए बयान पर पीएम दहल ने मांगी माफी

काठमांडू । नेपाल में भारतीय कारोबारी प्रीतम सिंह को लेकर दिए बयान पर बुरी तरह से घिरे प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने माफी मांग ली है। कई दिनों से विपक्षी दलों के हमले के बाद प्रधानमंत्री प्रचंड ने संसद के अंदर माफी मांगी। इसके पहले 2 जुलाई को प्रचंड ने कहा था कि प्रीतम सिंह ने एक बार मुझे प्रधानमंत्री बनाने में मदद की थी। मुझे प्रधानमंत्री बनाने के लिए सिंह कई बार दिल्ली गए थे और काठमांडू में नेताओं के साथ कई दौर की बातचीत की थी। प्रचंड के बयान के बाद देश में सियासी बवाल मच गया था और केपी ओली की पार्टी लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल नेपाली कांग्रेस के नेताओं ने इसकी आलोचना की थी। ओली की पार्टी संसद में कई दिनों से प्रचंड के इस्तीफे की मांग कर रही थी और इसकारण पिछले दिनों कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा था। इस सियासी विवाद के बाद अब प्रचंड ने एक बयान देकर माफी मांगा है। प्रचंड ने प्रतिनिधि सभा में कहा, हालांकि यह मेरा इरादा नहीं था (यह कहना कि नेपाल में प्रधानमंत्रियों की नियुक्त करने में भारत की कोई भूमिका है), इसके बाद भी मैं अपने बयान के लिए खेद व्यक्त करता हूं। प्रचंड ने कहा कि वह कार्यक्रम के दौरान भावुक हो गए थे और उस समय प्रधानमंत्री के तौर पर नहीं बल्कि एक बेटी के पिता के रूप में बोल रहे थे। मेरी बेटी की एक समय में बहुत तबीयत खराब थी और सरदार प्रीतम सिंह ने मदद की थी। दहल की बेटी ज्ञानू केसी का साल 2014 में कैंसर से निधन हो गया था। प्रीतम सिंह ने भारत में ज्ञानू के इलाज में मदद की थी। प्रचंड ने कहा कि उन्?हें बाद में यह अहसास हुआ कि उनका बयान एक देश के प्रधानमंत्री होने के नाते अनुचित था।

इज़राइल की न्याय प्रणाली में बदलाव की बयार, विवादास्पद विधेयक पेश

जेरुसलेम । इज़राइल की संसद ने पहली रिडिंग में विवादास्पद विधेयक को अपनाया है। यह विधेयक अदालत की शक्तियों को सीमित कर देगा। इसके साथ ही विधेयक का विरोध भी शुरु हो गया है। जानकारी के अनुसार प्रधानृमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इज़राइल की न्याय प्रणाली को बदलने के लिए अपनी सरकार के अभियान को फिर से शुरू किया है। गौरतलब है कि नेसेट विधेयक पर मतदान करने वाला है जो सुप्रीम कोर्ट की शक्तियों को सीमित करता है। अगर यह पारित हुआ तो विरोध प्रदर्शन तेज होने की संभावना है। इजराइल की न्याय प्रणाली में नियोजित बदलाव को रोकने की मांग करते हुए, साप्ताहिक रैलियों में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए हैं। जानकारी के अनुसार नया बिल एक संशोधन है जो न्यायाधीशों से ऐसे निर्णयों को अनुचित मानने की शक्ति छीनकर सरकार, मंत्रियों और निर्वाचित अधिकारियों द्वारा लिए गए निर्णयों को रद्द करने की सर्वोच्च न्यायालय की क्षमता को सीमित कर देगा। समर्थकों का कहना है कि इससे अदालत को न्यायिक समीक्षा के अन्य मानकों जैसे आनुपातिकता के साथ छोड़ते हुए अधिक प्रभावी शासन की अनुमति मिलेगी। वहीं आलोचकों का कहना है कि संवैधानिक रूप से आधारित जांच और संतुलन के बिना, यह भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग का द्वार खोल देगा। सत्तारूढ़ गठबंधन में कई लोग बेंच को वामपंथी झुकाव वाले अभिजात्यवादी और राजनीतिक क्षेत्र में बहुत अधिक हस्तक्षेप करने वाले के रूप में देखते हैं, जो अक्सर अल्पसंख्यक अधिकारों को राष्ट्रीय हितों से पहले रखते हैं और अधिकार मानते हैं जो केवल निर्वाचित अधिकारियों के हाथों में होना चाहिए। उनका मानना है कि लोकतंत्र ख़तरे में है।

नेपाल में मनांग एयर का हेलिकॉप्टर हादसे का शिकार, पायलट और पांच मैक्सिकन नागरिक थे सवार

काठमांडू । नेपाल में माउंट एवरेस्ट के पास लमजुरा में पांच मेक्सिकोवासियों सहित छह लोगों को ले जा रहा एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। सोलुखुम्बु से काठमांडू की यात्रा के दौरान आज सुबह करीब 10-15 बजे हेलिकॉप्टर का नियंत्रण टावर से संपर्क टूट गया। दुनिया की सबसे बड़ी चोटी माउंट एवरेस्ट की सैर पर पांच विदेशी पर्यटकों को ले जा रहा निजी वाणिज्यिक हेलीकॉप्टर काठमांडू लौट रहा था, तभी उसका संपर्क टूट गया। द काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, मनांग एयर हेलीकॉप्टर, 9ह्र-स्न्ह्ल के कॉल साइन के साथ और कैप्टन चेत गुरुंग द्वारा संचालित, सोलुखुम्बु में सुरकी से उड़ान भरी और उड़ान के 15 मिनट बाद संपर्क रहित हो गया। इसमें कहा गया है कि हेलिकॉप्टर का मलबा भकांजे गांव के लमजुरा के चिहांडांडा में पाया गया। इसमें कहा गया है कि मौसम की स्थिति के कारण हेलीकॉप्टर के उड़ान मार्ग में बदलाव करना पड़ा।

भारतीय मूल के व्यक्ति को हुई जेल, सिंगापुर में पुलिसकर्मी पर हमले का आरोप

सिंगापुर । सिंगापुर में एक पुलिसकर्मी पर हमले के आरोप में 25 वर्षीय भारतीय मूल के एक व्यक्ति को दस साल की जेल हुई है। उस पर आरोप है कि 2020 में छापेमारी के दौरान उसने एक पुलिस अधिकारी को मुक्का मारा था। इतना ही नहीं उसने लात भी मारी थी, जिसके लिए 10 साल से अधिक की जेल की सजा और 4,000 सिंगापुर डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार निखिल एम. दुर्गुडे को पिछले महीने आठ आरोपों में दोषी ठहराया था। इसमें एक लोक सेवक को उसके कर्तव्य से रोकने के लिए जानबूझकर चोट पहुंचाना, भांग रखना और मेथाम फेटामाइन का सेवन करना शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सजा सुनाए जाने के दौरान 15 अन्?य आरोपों पर विचार किया गया। इस दौरान जिला अदालत की न्यायाधीश जसवेंद्र कौर ने कहा कि हमले के दौरान निखिल ने पुलिस अधिकारी का अपमान भी किया। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, वरिष्ठ स्टाफ सार्जेंट चुआ मिंग चेंग और इंस्पेक्टर झेंग यियांग सहित तीन अधिकारी 5 नवंबर, 2020 को एक पुलिस ऑपरेशन के हिस्से के रूप में बालेस्टियर में सिटी सूट्स की एक इकाई में गए थे। उन्होंने खुद को निखिल और उसके साथियों, प्रकाश मथिवनन और मलानी नायडू प्रभाकर को पुलिस के रूप में बताया। वहीं थोड़ी देर बाद, प्रकाश ने स्टाफ सार्जेंट चुआ पर झपट्टा मारा, इससे वह गिर गया। इसके बाद उसने अधिकारी के चेहरे और शरीर के ऊपरी हिस्से पर वार किया था। जब इंस्पेक्टर झेंग ने प्रकाश पर अपनी रिवॉल्वर तानकर हमला बंद करने के लिए कहा, तो प्रकाश ने उसके हाथ पकड़ लिए। इससे पहले कि चुआ उठकर इंस्पेक्टर झेंग की सहायता कर पाता, निखिल ने उस पर हमला कर दिया। वह फिर से गिर गया और निखिल ने चुआ पर हमला करना जारी रखा, जबकि वह फर्श पर पड़ा था। तीनों लोगों को गिरफ्तार कर केंद्रीय पुलिस डिवीजन मुख्यालय ले जाया गया, जहां अधिकारियों ने परीक्षण के बाद निखिल के मूत्र में मेथामफेटामाइन का पता लगाया।

भारी बरसात ने पाकिस्तान में भी ढाया कहर, 86 लोगों की मौत, 151 हुए घायल

इस्लामाबाद। पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी भारी बरसात ने कहर ढाया है, यहां बाढ़ के चलते 86 लोगों की मौत हो गई जबकि 151 लोगों के घायल होने की खबर है। इस तरह से पाकिस्तान अब एक बार फिर भयानक बारिश और बाढ़ से जूझ रहा है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के मुताबिक 25 जून के बाद से हाल ही में हुई मानसूनी बारिश में 86 लोग मारे गए हैं और 151 अन्य घायल हुए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटों में पूरे पाकिस्तान में भारी बारिश के कारण छह लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। एनडीएमए के आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 86 मौतें हुई हैं और 151 घायल हुए हैं, जिनमें 16 महिलाएं और 37 बच्चे शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक देशभर में मूसलाधार बारिश का कहर जारी रहने के कारण 97 घर भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। मरने वालों की संख्या सबसे ज्यादा पंजाब में है जहां भारी बारिश के कारण 52 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा में 20 लोगों की मौत हो गई और बलूचिस्तान में छह लोगों की जान चली गई। पाकिस्तान के पंजाब में जारी बारिश के दौरान लाहौर के अजहर टाउन और शाहदरा टाउन इलाकों में दो छतें गिरने से कम से कम 9 लोग घायल हो गए। इस साल अप्रैल में, एनडीएमए ने भविष्यवाणी की थी कि पाकिस्तान में विनाशकारी बाढ़ की 72 प्रतिशत आशंका है। लोक लेखा समिति (पीएसी) को एक ब्रीफिंग में, एनडीएमए के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल इनाम हैदर ने कहा कि तापमान में तेजी से वृद्धि हो रही है। ग्लेशियर पिघलने और शुरुआती मानसून के परिणामस्वरूप बाढ़ आ सकती है। एनडीएमए और पाकिस्तान का जलवायु परिवर्तन मंत्रालय 17 उपग्रहों की निगरानी कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर पिछले साल की तरह विनाशकारी बाढ़ अब आई तो पाकिस्तान एक बड़े आर्थिक संकट में फंस जाएगा।

आईसलैंड में यूनिवर्सिटी के ऑब्जर्वर एक ज्वालामुखी के फटने का दृश्य देखते हुए।

पुतिन और वैगनर चीफ के बीच सीक्रेट बैठक, जेलेंस्की को मरने का दिया टॉस्क

–मीडिया रिपोर्ट में चर्चा

मॉस्को । रूसी अधिकारी का कहना है कि वैगनर चीफ के रूस में विद्रोह करने के पांच दिन बाद येवगेनी प्रिगोझिन ने व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि वैगनर ग्रुप के कमांडर 24 जून के विद्रोह के बाद 29 जून को तीन घंटे की मीटिंग में शामिल हुए थे। पेसकोव ने बताया, उन्होंने कमांडरों के स्पष्टीकरण भी सुने और उनके सामने आगे के विकल्प भी रखे। पेसकोव ने बताया, उन्होंने कहा कि वे देश के मुखिया और कमांडर-इन-चीफ के कट्टर समर्थक और सच्चे सैनिक हैं और यह भी कहा कि वे अपनी मातृभूमि के लिए लड़ाई जारी रखने को तैयार हैं। पुतिन की ओर से प्रिगोझिन को पीठ में छुरा घोंपने वाला गद्दार करार देने के बाद यह बैठक एक आश्चर्यजनक मोड़ है। बताया जा रहा हैं कि खुफिया मीटिंग में पुतिन ने वैगनर चीफ को यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को मारने का आदेश दिया। नोबेल पुरस्कार विजेता दिमित्री मुराटोव के मुताबिक खुफिया मीटिंग में माफी के बदले पुतिन ने प्रिगोझिन को जेलेंस्की की हत्या करने की जिम्मेदारी सौंपी होगी। उन्होंने अनुमान लगाया कि यूक्रेन पर फिर भीषण हमला हो सकता है, क्योंकि पुतिन ने वैगनर के मुखिया को युद्ध लड़ने के लिए कहा है। पेसकोव के अनुसार, इस मीटिंग में 35 लोग शामिल हुए और यह तीन घंटे तक चली। इसमें प्रिगोझिन और प्राइवेट आर्मी के वरिष्ठ सदस्य शामिल हुए।

तुर्की माना, नाटो का 32वां सदस्य देश बना स्वीडन

–सदस्य देशों ने खुशी जाहिर की

विनियस (एजेंसी)। नाटो महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने घोषणा की कि तुर्की ने स्वीडन की बोली का समर्थन किया है। इतना ही नहीं उन्होंने अंकारा के फैसले को ऐतिहासिक बताया है। स्टोलटेनबर्ग ने कहा, यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि (तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तय्यिप) एर्दोगन और स्वीडन के पीएम (उल्फ क्रिस्टर्सन) के साथ बैठक के बाद, राष्ट्रपति एर्दोगन स्वीडन के एक्सेशन प्रोटोकॉल को जल्द से जल्द ग्रैंड नेशनल असेंबली में भेजने और अनुसमर्थन सुनिश्चित करने पर सहमत हुए हैं। यह एक ऐतिहासिक कदम है जो सभी नाटो सहयोगियों को मजबूत और सुरक्षित बनाता है। यह घोषणा राजधानी विनियस में तुर्की और स्वीडिश नेताओं के बीच वार्ता के बाद हुई, जहां दो दिवसीय नाटो शिखर सम्मेलन आज से शुरू होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, तुर्की ने पहले स्वीडन के आवेदन को रोक दिया था, उस पर कुर्द आतंकवादियों की मेजबानी करने का आरोप लगाया था। नाटो के 31 सदस्यों में से एक तुर्की के पास समूह में शामिल होने वाले किसी भी नए देश पर वीटो लगाने का अधिकार है। नाटो प्रमुख ने कहा कि तुर्की और स्वीडन ने तुर्की की वैध सुरक्षा चिंताओं को संबोधित किया, इसकारण स्वीडन ने अपने संविधान में संशोधन किया, अपने कानूनों को बदला, पीकेके (कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी) के खिलाफ अपने आतंकवाद विरोधी अभियान का विस्तार किया और तुर्की को हथियारों का निर्यात फिर से शुरू किया। इस घोषणा का कई नाटो सदस्यों ने स्वागत किया।

इस खबर पर प्रतिक्रिया देकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वह अपने तुर्की समकक्ष द्वारा त्वरित अनुसमर्थन के साथ आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं। व्हाइट हाउस के बयान में कहा गया, मैं यूरो-अटलांटिक क्षेत्र में रक्षा और प्रतिरोध बढ़ाने पर राष्ट्रपति एर्दोगन और तुर्की के साथ काम करने के लिए तैयार हूं। मैं प्रधानमंत्री क्रिस्टरसन और स्वीडन का हमारे 32वें नाटो सहयोगी के रूप में स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं। जबकि जर्मन विदेश मंत्री एनालेन बेयरबॉक ने ट्वीट किया, 32 साल की उम्र में, हम सभी एक साथ सुरक्षित हैं, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि स्वीडन के शामिल होने से हम सभी सुरक्षित हो जाएंगे।

यूरोपीय संघ आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, विल्नियस में एक ऐतिहासिक कदम है। मैं उस महत्वपूर्ण कदम का स्वागत करता हूं जो तुर्किये ने स्वीडन के नाटो में शामिल होने की पुष्टि करने के लिए उठाने का वादा किया। फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के मद्देनजर स्वीडन और उसके पूर्वी पड़ोसी फिनलैंड ने पिछले साल मई में नाटो में शामिल होने की अपनी मंशा की घोषणा की थी। फिनलैंड इस साल अप्रैल में औपचारिक रूप से गठबंधन में शामिल हो गया।

विक्रमसिंघे के आने से पहले विदेश सचिव क्वात्रा पहुंचे कोलंबो, परियोजनाओं का लेंगे जायजा

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की आगामी भारत यात्रा की तैयारियों के लिए विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा कोलंबो पहुंच गए हैं। वे वहां पर कई भारतीय परियोजनाओं का जायजा भी लेंगे। मिली जानकारी के अनुसार क्वात्रा सोमवार रात श्रीलंका की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर कोलंबो पहुंचे जहां भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे। अधिकारियों ने बताया कि वह कई क्षेत्रों में जारी भारतीय परियोजनाओं का जायजा लेंगे और विक्रमसिंघे की भारत यात्रा के लिए जमीनी स्तर पर तैयारियां करेंगे। गौरतलब है कि विक्रमसिंघे 21 जुलाई को भारत की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे और इस दौरान, उनके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मिलने की संभावना है। उन्होंने बताया था कि विक्रमसिंघे भारत के लिए रवाना होने से पहले द्वीप राष्ट्र में बिजली व ऊर्जा, कृषि तथा समुद्री मुद्दों से संबंधित कई भारतीय परियोजनाओं के कार्यान्वयन को अंतिम रूप देंगे। पिछले वर्ष जुलाई में जनता के विद्रोह के बीच गोटबाया राजपक्षे के सत्ता से बाहर होने और सबसे बड़े आर्थिक संकट से जूझ रहे देश का राष्ट्रपति नियुक्त होने के बाद यह विक्रमसिंघे की पहली भारत यात्रा होगी।

बता दें कि विक्रमसिंघे ने भारत के साथ अच्छे संबंध स्थापित करने पर जोर दिया है और इसे अपनी विदेश नीति का प्रमुख हिस्सा बनाया है। इस साल जनवरी में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विक्रमसिंघे को भारत आने का औपचारिक निमंत्रण दिया था। उनकी यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब श्रीलंका की कमजोर अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। गौरतलब है ?कि विदेशी मुद्रा की भारी कमी के कारण श्रीलंका 2022 में वित्तीय संकट की चपेट में आ गया था। उसे 1948 में ब्रिटिश हुकूमत से आजादी के बाद सबसे बड़े आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। द्वीप राष्ट्र ने पिछले साल अप्रैल के मध्य में पहली बार कर्ज अदा न कर पाने की घोषणा की थी। इस साल मार्च में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने उसे 2.9 अरब डॉलर का राहत पैकेज दिया था।

पाकिस्तानियों को भा गई गडकरी की बात, भारत में 15 रुपए लीटर मिलेगा पेट्रोल

–मीडिया में लोग दावा कर रहे, यह कोई बड़ी बात नहीं, हिंदुस्तान इसे करके दिखाएगा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के लोगों को नितिन गडकरी की बात भा गई है। विदेशी मीडिया में लोग खुलकर भारत की तारीफ करते हुए कह रहे हैं कि यह कोई बड़ी बात नहीं, हिन्दुस्तान इसे करके दिखाएगा। भले ही पाकिस्तान को रूस से तेल मिलने लगा है लेकिन इसके बाद भी देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें नियंत्रण के बाहर हैं। पाकिस्तान में पेट्रोल 260 और डीजल 200 रुपए प्रति लीटर से भी ज्यादा कीमत पर बिक रहा है। इन सबके बीच जब पिछले दिनों भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत में पेट्रोल 15 रुपए प्रति लीटर तक बिक सकता है। तो लोक सकते में आ गए थे, लेकिन गडकरी ने जो कुछ भी कहा वह कैसे संभव होगा, यह बात अलग हैं, लेकिन इतनी सस्ती कीमत पर पेट्रोल मिलने वाले उनके बयान ने पाकिस्तानियों को भी उनका मुरीद बना दिया है। पाकिस्तानी, गडकरी के इस बयान की तारीफ कर रहे हैं और अपने देश की सरकार को उनका उदाहरण दे रहे हैं। गौरतलब है कि भारत के केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले दिनों एक सभा में कहा था कि अगर 60 फीसदी एथेनॉल और 40 प्रतिशत बिजली का प्रयोग होने लगे तो देश में पेट्रोल का भाव पंद्रह रुपए प्रति लीटर हो जाएगा। गडकरी की इस बात ने भारत ही नहीं बल्कि पड़ोसी पाकिस्तान में भी नागरिकों को हैरान कर दिया। इसी बात को लेकर यू-ट्यूबर सना अमजद ने जब पाकिस्तानी नागरिकों से बात की तो उन्होंने खुलकर गडकरी की तारीफ की। मुल्क में पेट्रोल डीजल की कीमतों में इजाफे के बीच ही सना ने 15 रुपए पेट्रोल वाले बयान पर नागरिकों की प्रतिक्रिया जानी। पाकिस्तान के एक नागरिक शारिक ने इस पर कहा कि यह वाकई तारीफ की बात है।

गीता राव ने वैश्विक महिला मुद्दों के लिए राजदूत के रूप में ली शपथ

–अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने दिलाई पहली भारतीय महिला को शपथ

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारतीय महिला गीता राव गुप्ता को अमेरिका में वैश्विक महिला मुद्दों के लिए राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्हें अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस तरह से इस पद पर काबिज होने वाली गीता राव पहली भारतीय-अमेरिकी महिला होंगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय-अमेरिकी गीता राव गुप्ता ने अमेरिकी विदेश विभाग में वैश्विक महिला मुद्दों के लिए राजदूत-एट-लार्ज के रूप में शपथ ली। वह यह पद संभालने वाली पहली अश्वेत महिला बन गई हैं। इसके साथ ही मई में इस पद के लिए सीनेट में 47 के मुकाबले 51 वोटों से उनकी नियुक्ति की पुष्टि की गई। उनकी नियुक्ति की घोषणा करते हुए, विदेश विभाग ने कहा था कि वह अमेरिकी विदेश नीति के माध्यम से महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों की प्रशंसा करता है। विदेशी संबंधों पर सीनेट समिति के समक्ष पिछले साल अपनी पुष्टिकरण सुनवाई के दौरान, गुप्ता ने कहा था कि वह एक गौरवान्वित अमेरिकी नागरिक और पहली पीढ़ी की अप्रवासी हैं, जो पेशेवर महिलाओं के परिवार से हैं, इनमें से प्रत्येक ने अपना जीवन अपने समुदायों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया है।

विदेश विभाग ने कहा कि अगर आज दुनिया को देखें तो महिलाओं की स्थिति, अगर लैंगिक असमानता संकेतकों को देखें, तो वे दिखाते हैं कि असमानता बढ़ गई है। वहीं गीता राव के अनुसार, महिलाएं अर्थव्यवस्था में पूरी तरह से भाग लेने में असमर्थ हैं, क्योंकि कई असमानताएं और अपमान उन्हें पीछे खींच रहे हैं। गौरतलब है कि मुंबई में जन्मीं गीता ने पहले संयुक्त राष्ट्र फाउंडेशन में वरिष्ठ फेलो और व्यवस्था परिवर्तन के लिए वैश्विक सहयोगात्मक परोपकार संस्था, को-इम्पैक्ट के वरिष्ठ सलाहकार के रूप में कार्य किया था। संयुक्त राष्ट्र फाउंडेशन में रहते हुए गुप्ता ने लड़कियों, महिलाओं के लिए 3डी कार्यक्रम की स्थापना की, कार्यकारी निदेशक और बाद में वरिष्ठ सलाहकार के रूप में कार्य किया।

लिंग और विकास पर दशकों के अनुभव के साथ, गुप्ता ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्वास्थ्य आपातकालीन कार्यक्रम के लिए एक निरीक्षण समिति में भी काम किया है, और विश्व बैंक के वैश्विक लिंग-आधारित हिंसा कार्य बल की सह-अध्यक्षता की है।

वह यूनिसेफ में कार्यक्रम की उप कार्यकारी निदेशक थीं और उससे पहले बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन में वरिष्ठ फेलो थीं। वह कई पुरस्कारों की प्राप्तकर्ता हैं, इनमें उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए इंटरएक्शन का जूलिया टैफ्ट पुरस्कार, हार्वर्ड विश्वविद्यालय का ऐनी रो पुरस्कार और वाशिंगटन बिजनेस जर्नल का वीमेन हू मीन बिजनेस पुरस्कार शामिल हैं।

14 जुलाई को फ्रांस में बैस्टिल डे परेड मुख्य अतिथि होंगे पीएम मोदी

–पहली बार, भारतीय सैनिक फ्रांसीसी सैनिक के साथ मार्च करेंगे

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 जुलाई को फ्रांस के दौरे पर जा रहे हैं। इस बार वह राष्ट्रपति इमैनुएल मैंक्रो के आमंत्रण पर फ्रांस जा रहे हैं। यहां पर एलिसी पैलेस में आयोजित होने वाली बैस्टिल डे परेड में वह बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने जा रहे हैं। इस साल बैस्टिल डे परेड प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीय सैनिकों की शौर्य गाथा की प्रतीक भी होगी। 107 वर्षों में पहली बार, भारतीय सेना की एक टुकड़ी बैस्टिल डे परेड के दौरान पेरिस में फ्रांसीसी सैनिकों के साथ मार्च करेगी। यह ऐतिहासिक मौका सैन्य इतिहास में भारतीय सैनिकों के द्वारा प्रदर्शित वीरता और बहादुरी को स्वीकार करने का एक पल होगा।

फ्रांस में बैस्टिल दिवस को फेटे नेशनले फ्रांसेइस या राष्ट्रीय दिवस के तौर पर भी जाना जाता है। 14 जुलाई सन 1789 में हुई फ्रांसीसी क्रांति के दौरान इस दिन बैस्टिल के किले पर हमला हुआ था। इस दिन को उस हमले की याद के तौर पर मनाया जाता है। इस बार मिलिट्री परेड में तीनों भारतीय सेनाओं की 269 सैनिकों वाली टुकड़ी फ्रांस की सेनाओं के साथ मार्च करते हुए दिखाई देगी। भारत और फ्रांस की सेनाओं के बीच प्रथम विश्व युद्ध से ही आपसी संपर्क जारी है। इस युद्ध में लाखों भारतीय सैनिकों ने हिस्सा लिया था। इनमें से करीब 74,000 सैनिकों ने कीचड़ भरी खाइयों में लड़ाई लड़ी थी। ये सैनिक फिर कभी वापस नहीं लौटे। जबकि बाकी 67,000 सैनिक घायल हो गए थे।

भारतीय सैनिक फ्रांस की धरती पर भी बहुत बहादुरी से लड़े थे। उनके साहस, वीरता और सर्वोच्च बलिदान से न केवल दुश्मन को विफल कर दिया था, बल्कि उन्होंने युद्ध जीतने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया था। इसके बाद दूसरे विश्व युद्ध में 25 लाख से अधिक भारतीय सैनिकों ने एशिया से लेकर अफ्रीका और यूरोप तक युद्ध के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। इस साल दोनों देश रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने का जश्?न मना रहे हैं। दोनों देशों की सेनाएं संयुक्त अभ्यासों में हिस्सा ले रही हैं और अपने-अपने अनुभवों को भी साझा कर रही हैं। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत और फ्रांस विश्वसनीय रक्षा भागीदार बन गए हैं। भारतीय सेना की टुकड़ी में 77 मार्चिंग सैनिक और बैंड के 38 सदस्य भी शामिल है। इसका नेतृत्व कैप्टन अमन जगताप कर रहे हैं। भारतीय नौसेना टुकड़ी का नेतृत्व कमांडर व्रत बघेल जबकि भारतीय वायु सेना की टुकड़ी का नेतृत्व स्क्वाड्रन लीडर सिंधु रेड्डी कर रहे हैं। भारतीय वायुसेना के राफेल लड़ाकू विमान भी परेड के दौरान फ्लाई पास्ट में भाग ले रहे हैं। सेना की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व पंजाब रेजिमेंट द्वारा किया जा रहा है जो भारतीय सेना की एक सबसे पुरानी रेजिमेंट है। इस रेजिमेंट के सैनिकों ने दोनों विश्व युद्धों के साथ-साथ स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद आयोजित अनेक ऑपरेशनों में भी भाग लिया है। प्रथम विश्व युद्ध में इन्हें 18 युद्धकतथा थियेटर सम्मान प्रदान किए गए थे। इस रेजिमेंट के वीर सैनिकों ने मेसोपोटामिया, गैलीपोली, फिलिस्तीन, मिस्र, चीन, हांगकांग, दमिश्क और फ्रांस में कई लड़ाई लड़ी हैं।

ऑनलाइन सट्टा मामले में 7 आरोपी चढ़ चुके कोरिया पुलिस के हत्थे...अभी और चढेंगे हत्थे...पर क्या महिला पुलिस अधिकारी के पति भी चढ़ पायेगा हत्थे?

मामले में भाजपा के पूर्व मंत्री वर्तमान विधायक के भतीजे की भी हो चुकी है गिरफ्तारी,केवल महिला पुलिस अधिकारी पति पर ही पुलिस की क्यों है मेहरबानी

- » महिला पुलिस अधिकारी के पति को कोरिया पुलिस की गठित टीम में मौजूद दो एक नाम वाले प्रधान आरक्षक बचाने में जुटे:सूत्र
- » ऑनलाइन सट्टा मामले में 7 आरोपी गिरफ्तार...अन्य आरोपियों की तलाश जारी
- » महिला पुलिस अधिकारी के पति को बचाने आरोपियों को पकड़ने गठित टीम के प्रधान आरक्षक सक्रिय
- » कई अन्य राज्यों से भी होगी सटोरियों की गिरफ्तारी,लेकिन क्या महिला पुलिस अधिकारी के पति की भी होगी गिरफ्तारी?
- » सरगुजा संभाग के सबसे बड़े सटोरिए के पार्टनर का नाम छिपाकर की जा रही कार्यवाही,संलिप्त है पुलिसकर्मी
- » क्या महिला पुलिस अधिकारी के पति को बचाने में सफल हो जायेगी कोरिया पुलिस?
- » घटती-घटना की खबर पर लगी मुहर कोरिया पुलिस पहुंची एक और बड़े सटोरिया तक

सरगुजा संभाग का सबसे बड़ा सटोरिया कोरिया पुलिस के चढ़ा हत्थे,खुल सकते हैं कई अहम राजःसूत्र

सट्टा किंग का आईपीएल से हुआ बाजार गर्म

सट्टा किंग रवि गर्ग हर बार की तरह इस बार भी पुलिस गिरफ्त से बाहर

क्या सरगुजा संभाग के सबसे बड़े सटोरिया के ज़रिए कोरिया पुलिस सुलझा लेगी संभाग का बड़ा मामला?

सबसे बड़े सटोरिया का पार्टनर एक पुलिस अधिकारी का पति:सूत्र

-रवि सिंह-

कोरिया/एमसीबी 11 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। ऑनलाइन सट्टा मामले में कोरिया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है, मामले में अब तक सात आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ चुके हैं और आरोपियों में से एक भाजपा के पूर्व कैबिनेट मंत्री साथ ही वर्तमान विधायक का भतीजा है जिसे राजधानी से पुलिस ने गिरफ्तार किया है और बताया जाता है की उक्त पूर्व मंत्री की भाजपा में बड़े नेताओं में गिनती होती है और वह प्रथम पंक्ति के भाजपा नेता हैं। सरगुजा संभाग में सट्टा व्यवसाय बड़ी तेजी से पांव पसार चुका था और जिसपर अंकुश लगाने वर्तमान पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा द्वारा निर्देश देने पर कोरिया जिले की पुलिस सक्रिय हुई और अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार लोगों से पुलिस ने कई अन्य लोगों के नाम जानने की कोशिश की है और अब पुलिस अन्य राज्यों में भी सट्टा के फैले जाल को कमजोर करने का प्रयास जारी किया है और बताया जाता है की अन्य राज्यों से भी गिरफ्तारी मामले में हो सकती है। सरगुजा संभाग के सबसे बड़े सटोरिया को गिरफ्तार करने के बाद घटती-घटना ने अंदेशा जताया था की कोरिया पुलिस सटोरिया से जुड़े कई राज खोलना में जुटी हुई है वही घटती घटना के खबर प्रकाशन के 5 दिन बाद वही हुआ और कोरिया पुलिस एक और सटोरिया को रायपुर से गिरफ्तार कर लिया है।

पूरे कार्यवाही में एक बात बस पुलिस की कार्यवाही पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है और वह यह की सरगुजा संभाग में फैले ऑनलाइन सट्टा के नेटवर्क में सटोरियों के सरगुजा के एक साथी का नाम पुलिस उजागर नहीं कर रही है और लगातार उसे बचाने पुलिसकर्मी सक्रिय नज़र आ रहे हैं, सूत्रों की माने तो सरगुजा संभाग में सटोरियों का पार्टनर जो सट्टे का कारोबार देखता था वह एक महिला पुलिस अधिकारी का पति है और इसी वजह से पुलिस उसे बचाने में लगी हुई है जिससे महिला पुलिस अधिकारी के पति को भी बचाया जा सके और पुलिस की छवि भी धूमिल न हो, वहीं महिला पुलिस अधिकारी के पति को बचाने में एक पुलिसकर्मी की भूमिका काफी खास बताई जा रही है जो सट्टे के कारोबार से जुड़े लोगों को पकड़ने गठित टीम का सदस्य है और जो काफी चर्चित भी है कई मामलों को लेकर। महिला पुलिस अधिकारी का खास उक्त पुलिसकर्मी महिला पुलिस अधिकारी के निर्देश पर महिला पुलिस अधिकारी के पति का नाम हर उस जगह से हटा रहा है जहां भी सट्टा मामले में उसका नाम आ रहा है। अब देखना यह है की क्या महिला पुलिस अधिकारी के पति को पुलिस बचा ले जाती है या निष्पक्ष जांच कर उसे भी सलाखों के पीछे पहुंचाती है? वैसे सरगुजा संभाग के पुलिस महानिरीक्षक के निर्देशानुसार किसी भी आरोपी को बक्शा नहीं जाना है और ऐसे में माना जा सकता है की महिला पुलिस अधिकारी के पति को भी पुलिस आरोपी बनाएगी जो सरगुजा संभाग में ऑनलाइन सट्टा का व्यवसाय देखता था। ऑनलाइन सट्टा मामले में पुलिस ने जिन सात लोगों की गिरफ्तारी की है उसके बाद पुलिस ने प्रेस विज्ञप्ति जारी का मामले का खुलासा किया है।

सट्टा कारोबार के सातवें आरोपी को पुलिस ज्यादा देर तक नहीं रख पाई जेल में,पहले मिला अस्पताल में दाखिला फिर मिल गई जमानत

सट्टा कारोबार के सातवें आरोपी जो मुख्य आरोपी भी कहा जा सकता है को पुलिस ज्यादा देर तक जेल में नहीं रख सकी, उसे जेल जाते ही अस्पताल दाखिले की सुविधा मिल गई वहीं जब तक वह अस्पताल में रहा तब तक उसकी जमानत हो गई, बताया जा रहा है की उसके जेल दाखिले से पहले ही सब कुछ तय हो गया था और उसे मिलने वाली सुविधाएं भी तय हो गई थीं जिसका उसे पूरा फायदा मिला। सातवें आरोपी को जो की काफी रसूखदार था को एक तरह से पहले से ही पता था की वह ज्यादा देर तक जेल की सलाखों के पीछे नहीं रहने वाला और पूरी स्क्रिप्ट इसको लेकर तैयार थी जो हुआ भी और वह अब बाहर है,जेल जाते ही अस्पताल जाने की सुविधा वैसे भी रसूखदारों को ही मिल पाती है और वहीं हुआ भी वह अस्पताल में आराम कर वापस लौट गया।

इन पर हो चुकी है कार्यवाही

स्काई एप ऑनलाइन सट्टा जुआ पर कार्यवाही पुलिस थाना पटना के अपराध क्रमांक 207/2023 धारा छ. ग. जुआ प्रतिशेध अधिनियम 2022 की धारा 6(क) (ख)7,8, 109भा द वि के तहत सात आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है, जिनमे बिजेंद्र कुमार पिता तिलकधारी साहू उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम खांडा थाना पटना,राजकुमार साहू पिता शिवराम साहू उम्र 32 निवासी ग्राम खांडा थाना पटना,राजा बाबू पिता चंद्रभान साहू उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम कुडेली थाना पटना, निखिल साहू पिता चंद्रप्रकाश साहू उम्र 19 वर्ष निवासी मांजा जिला सूरजपुर, राहुल साहू पिता लीला मोहन साहू उम्र 21 वर्ष निवासी जटगा जिला कोरबा, रवि अग्रवाल निवासी अंबिकापुर, विनय अग्रवाल निवासी रायपुर शामिल हैं। दिनांक 27 जून 2023 को मुखबिर द्वारा सूचना मिलने पर की ऑनलाइन के माध्यम से जुआ सट्टा स्काई एप के जरिए खांडा निवासी बिजेंद्र कुमार साहू ,राजकुमार साहू, के द्वारा आम जनता को रुपए पैसों का दांव लगवाकर खिलाया जा रहा है। सूचना पर तत्काल टीम गठित कर थाना से निरीक्षक अनिल कुमार साहू सऊनि लवांग सिंह आरक्षक 280 अमल कुजुर,आरक्षक 305 उज्जैन पूरी, एवम साइबर सेल प्रधान आरक्षक 98 नवीन दत्त तिवारी, प्रधान आरक्षक 103 नवीन साहू, आरक्षक क्रमांक 147 अजीत राजवाड़े, आरक्षक क्रमांक 666 सजल जायसवाल, एवम आरक्षक क्रमांक 636 रामायण सिंह आरोपी बिजेंद्र कुमार साहू, राजकुमार साहू को रेड कर पकड़े, आरोपियों के द्वारा स्काई एप के जरिए मोबाइल से ऑन लाइन सट्टा खिलाते पाया गया और आरोपियों से 2 नग मोबाइल फोन जब्त कर नगदी रकम 2100 रुपए जब्त किए, पूछताछ पर सटोरिया खाईवाल राजा बाबू साहू,निखिल साहू,को विभिन्न स्थानों से हिरासत में लिया गया और 5 नग मोबाइल सेट और एक कार कुल जुमला 850000 का जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। विवेचना में दिनांक 29 जून 2023 एवम 9 जुलाई 2023 को प्रकरण के अन्य आरोपियों में से रवि अग्रवाल निवासी अंबिकापुर,एवम विनय अग्रवाल निवासी रायपुर को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से 3 नग मोबाइल कीमत 3 लाख एवम एक आई वाच कीमत 50000 रुपए को जब्त कर गिरफ्तारी की गई,अब तक प्रकरण में 12 बैंको के खातों से 1 करोड़ 86 लाख रूपये होल्ड कराया जा चुका है और अन्य आरोपियों की तलाश पुलिस कर रही है।

सरगुजा संभाग में सटोरियों के मुख्य सहयोगी महिला पुलिस अधिकारी के पति तक कब पहुंचेगी पुलिस?

पूरे मामले में लगातार एक महिला पुलिस अधिकारी के पति का नाम सामने आ रहा है,महिला पुलिस अधिकारी के पति का नाम बार बार सामने आने के बाद भी अब तक मामले में उसका नाम शामिल नहीं किया जा रहा है ऐसा सूत्रों का कहना है। अब देखना यह है की महिला पुलिस अधिकारी के पति का नाम सामने आता है या उसे बचाया जाता है। महिला पुलिस अधिकारी के पति का सटोरियों से और संभाग में जारी सट्टा व्यापार से गहरा नाता है यह पुलिस की जांच में सामने आया है लेकिन जिसे पुलिस छिपा रही है ऐसा सूत्रों का दावा है,अब देखना है की क्या पुलिस महिला पुलिस अधिकारी के पति को बचा पाती है या उसे मामले में आरोपी बनाकर निस्पक्षता का परिचय देती है।

सटोरियों को पकड़ने गठित टीम में शामिल एक पुलिसकर्मी महिला पुलिस अधिकारी के पति को बचाने सक्रिय,सूत्र

सूत्रों की माने तो संभाग में सट्टा का कारोबार एक महिला पुलिस अधिकारी के पति द्वारा संचालित किया जाता था और जो सटोरियों का मुख्य सहयोगी है, महिला पुलिस अधिकारी का नाम भी जांच में सामने आया है जैसा सूत्रों ने बताया है,बताया यह भी जा रहा है की महिला पुलिस अधिकारी के पति को बचाने सटोरियों को पकड़ने गठित टीम का एक पुलिसकर्मी सक्रिय है जो महिला पुलिस अधिकारी और उनके पति का करीबी है, पुलिसकर्मी महिला पुलिस अधिकारी के पति का नाम हर जगह हाइड कर रहा है जहां भी उसका नाम सामने आ रहा है। पूरे मामले में निष्पक्षता से कार्यवाही इसलिए भी नहीं हो पा रही है क्योंकि मामले में महिला पुलिस अधिकारी के पति का नाम सामने आने पर उसे छिपाने पुलिसकर्मी ही संलिप्त नजर आ रहें हैं जैसा सूत्रों का कहना है।

मामले में भाजपा के पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक के भतीजे की भी हुई है गिरफ्तारी

सट्टा मामले में भाजपा के कद्दावर नेता पूर्व मंत्री एवम वर्तमान विधायक के भतीजे की भी गिरफ्तारी हुई है। बताया जा रहा है की पूर्व मंत्री का भतीजा मुख्य सटोरियों में से एक है और जिसे राजधानी से गिरफ्तार किया गया है। पूर्व मंत्री के भतीजे का नाम सामने आने के बाद अब महिला पुलिस अधिकारी के पति का भी नाम सामने आने की उम्मीद है जो एक पुलिसकर्मी की वजह से सामने नहीं आ रहा है जो सूत्रों का कहना है।

क्या पुलिस महानिरीक्षक मामले में निष्पक्ष जांच कर कार्यवाही का देंगे आदेश?

पूरे मामले में अब सरगुजा पुलिस महानिरीक्षक की भूमिका भी देखने वाली होगी,पूरे मामले में जो अब हाई प्रोफाइल मामला बन चुका है में पूर्व मंत्री के भतीजे का नाम सामने आने के बाद और उसकी गिरफ्तारी के बाद महिला पुलिस अधिकारी के पति का भी नाम सामने आ रहा है और जिसे पुलिस अब तक बचाती चली आ रही है,अब देखना यह है की क्या महानिरीक्षक सरगुजा मामले में निष्पक्ष जांच और कार्यवाही का आदेश जारी करते हैं, क्या महिला पुलिस अधिकारी के पति की गिरफ्तारी होती है जो बड़ा सवाल है जो पुलिस की निष्पक्ष कार्यवाही के लिए भी जरूरी है वरना मामले को निपटाने और महिला पुलिस अधिकारी के पति को बचाने का आरोप पुलिस पर ही लगेगा और जो पुलिस की निष्पक्ष जांच पर सवालिया निशान होगा।

राज्य स्तरीय व्यापारी सम्मेलन में एमसीबी के पदाधिकारी हुए सामिल

-संवाददाता-

मनेंद्रगढ़ 11 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। मनेंद्रगढ़ जिला एम,सी,बी, छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज तिमाही व्यापारिक सम्मेलन में रायपुर प्रदेश उपाध्यक्ष रफीक मेमन उपस्थित हो कर, व्यापारी की समस्या व्यापारिक चर्चाएं की, और कई मांगे रखी एमसीबी जिला अध्यक्ष आनंद अग्रवाल और उनकी टीम व्यापारिक पत्र दिया था प्रदेश अध्यक्ष अमर परवानी को दिया,केंद्र सरकार द्वारा व्यापारियों के कल्याण एवं प्रगति के लिए गठित गया था। राष्टीय व्यापारी कल्याण बोर्ड, नेशनल ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड के प्रथम यशस्वी चेयरमैन सुनील सिंघी केप आगमन पर छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज रायपुर प्रदेश अध्यक्ष अमर परवानी टीम ने भव्य स्वागत किया, काफी संख्या में लोग उपस्थित थे कई जिलों से भी लोग उपस्थित हुए एमसीबी जिला समस्त व्यापारी के तरफ से जिला एमसीबी प्रदेश उपाध्यक्ष रफीक मेमन मोहम्मद सद्दाम हुसैन मनोज जैन विनोद गुप्ता चेयरमैन सुनील सिंघी और उनके साथी मुलाकात की और शाल पहनाकर उनका हार्दिक अभिनंदन और स्वागत किया।

आरआई-पटवारी के द्वारा गलत सीमांकन से ग्रामीणों में आक्रोश

-संवाददाता-

प्रतापपुर 11 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। दरअसल, जिले में हर वर्ष जमीन और खेत पर जाने के रास्ते में विवाद की सैकड़ों घटनाएं सामने आती है। जिसमें से कई घटनाएं खूनी संघर्ष और जातिगत संघर्ष में भी बदल जाती है इसमें कहीं ना कहीं राजस्व विभाग के पटवारी व राजस्व निरिक्षक का हाथ होता है

ऐसा ही एक मांगला प्रतापपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत मानी मैं आया है जिसमें ग्राम पंचायत मानी निवासी अब्दुल रहमान अरमान गुलजमान और शेरजमान के नाम नाम से खसरा नंबर 626 0.39 हेक्टेयर भुमि स्थित है जो आज 50 साल से उसने काबीज है जिसमें रामगांव निवासी कुछ लोगों द्वारा इस वर्ष गर्मी में बिना जमीन मालिक की उपस्थिति में आर आई द्वारा पटवारी के बिना उपस्थिति में माफ कर उक्त जमीन पर बताया गया कि यह उनका जमीन है गलत ढंग से सीमांकन कर किसी दूसरे को जमीन बता दिया जिस पर हम गांव निवासी आसन महावीर प तिलकधारी द्वारा जोताई किए हुए भूमि पर आज फिर से जुताई कर दिया गया बलपूर्वक यह कहते हुए कि हमारा जमीन है 15-20 लोग जोताई कर दिए जिसकी रिपोर्ट थाना प्रतापपुर में भी कराई गई है जांच प्रक्रिया में है राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा इस प्रकार गलत ढंग से जमीन नापने से आए दिन विवाद होते रहते हैं अब देखना है कि इस मामले में क्या कार्रवाई होती है। इस संबंध में वर्तमान कलेक्टर संजय अग्रवाल से चर्चा करने पर उनके द्वारा बताया गया कि मामला संज्ञान में आया है इस प्रकार के उसे गलत ढंग से आर आई पटवारी द्वारा जमीन नापने मैं गलत पाए जाने पर उनके ऊपर कार्यवाही की जाएगी

चिरमिरी शराब दुकान घोटाला,खबर प्रकाशन के बाद जनप्रतिनिधियों ने उठाई जांच की मांग

- » घोटाला छोटा हो या बड़ा, घोटाला हुआ है भरपाई के लिए आबकारी विभाग अन्य शराब दुकानों से संपर्क में है,सूत्र
- » शराब में मिलावट का खेल भी जारी है,आबकारी विभाग भी मामले में संलिप्त है
- » शराब प्रेमियों को मिल रही है मिलावटी शराब, कुछ शराब प्रेमियों ने कहा शराब दुकानों के अंदर भी लगाए जाएं सीसीटीवी कैमरे
- » अंदर कमरों में लगे सीसीटीवी और बाहर हो डिस्प्ले तभी सुधरेंगे शराब दुकान संचालक, हो रही मांग

-रवि सिंह-

एमसीबी/बैकुंठपुर 11 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। चिरमिरी के गोदरीपारा शासकीय शराब दुकान में घोटाले की बात जबसे उजागर हुई है तभी से क्षेत्र के जनप्रतिनिधि अब मामले की जांच की मांग कर रहें हैं और उनका कहना है की अब चुप नहीं बैठना है और इस मामले में कलेक्टर से मिलकर जांच की मांग करना है। पूर्व महापौर ने मामले में आवाज बुलंद की है और सोशल मीडिया पर उनकी आवाज को अन्य नेताओं का भी समर्थन मिलना जारी है जो पूरे मामले को लेकर जांच की मांग कर रहें हैं। जिला विभाजन के बाद भी अभी तक आबकारी जिला एक ही है और विभाग का कोरिया जिले से ही संचालन हो रहा है वहीं शासकीय शराब दुकानों में मिलावट का खेल भी बदस्तूर जारी है जहां शराब प्रेमियों को मिलावटी शराब परोसी जा रही है और उनके जान से खिलवाड़ किया जा रहा है वहीं मिलावट करके भी दुकान संचालकों का मन नहीं मान रहा है और अब वह दुकान की बिक्री राशि में ही घोटाला कर रहें हैं जिसका ताजा मामला चिरमिरी गोदरीपारा शराब दुकान से सामने आया है जहां लाखों का घोटाला हुआ है और अब आबकारी विभाग मामले में लीपापोती करने के फिराक में है और जिलेभर के शराब दुकानों से घोटाले की राशि को भरने का मौखिक आदेश विभाग जारी कर चुका है। अविभाजित जिले में शराब में मिलावट की बात कोई नई नहीं है और मिलावट करके दुकान संचालक शराब प्रेमियों की जान से खिलवाड़ करने से भी बाज नहीं आ रहे हैं वहीं विभाग को इसके लिए बाकायदा प्रतिदिन का हिस्सा भी वह प्रदान कर रहें हैं जिसके एवज में उन्हें मिलावट की छूट है और वह मनमानी कर लोगों की जान जोखिम में डाल रहें हैं। सरकारी शराब दुकानों में मिलावटी शराब लगातार मिल रही है और शिकायत भी सामने आ रही है वहीं दुकानों में इसको लेकर हुज्जत भी हो रही है लेकिन आबकारी विभाग जरा से लालच में आकर इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है और किसी बड़ी घटना को धीरे धीरे घटने देने का इंतजार कर रहा है। शराब में मिलावट और दुकान की बिक्री राशि में से घोटाला आम हो गया है ऐसा सूत्रों का कहना है और आए दिन खड़ी हो रही ऐसी स्थिति से निपटने आबकारी विभाग भी नया ही रास्ता निकाल चुका है और बिक्री राशि घटने की स्थिति में एक दुकान से घटने वाली बिक्री राशि को जिलेभर की दुकानों से वसूली कर भरवा रहा है और अपना पल्ला झाड़ रहा है क्योंकि यदि वह दुकानदार पर कार्यवाही करता है तो दुकानदार उसकी पोल खोल देगा और विभाग की छवि धूमिल होगी और यही वजह है की शराब का घोटाला और मिलावट का खेल बिना रोकटोक जारी है।

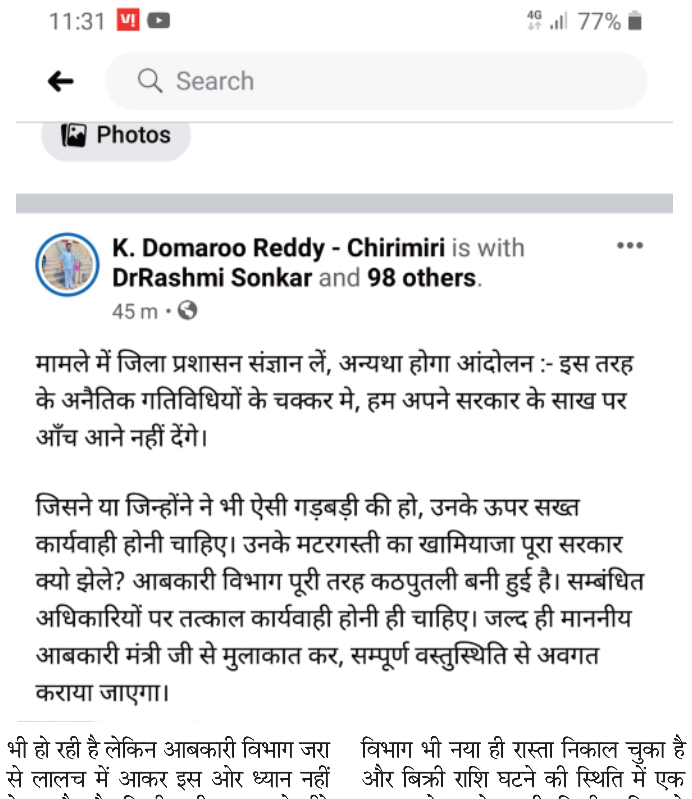

मामले में जिला प्रशासन संज्ञान लें, अन्यथा होगा आंदोलन :- इस तरह के अनैतिक गतिविधियों के चक्कर मे, हम अपने सरकार के साख पर आँच आने नहीं देंगे।

जिसने या जिन्होंने ने भी ऐसी गड़बड़ी की हो, उनके ऊपर सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। उनके मटरगस्ती का खामियाजा पूरा सरकार क्यो झेले? आबकारी विभाग पूरी तरह कठपुतली बनी हुई है। सम्बंधित अधिकारियों पर तत्काल कार्यवाही होनी ही चाहिए। जल्द ही माननीय आबकारी मंत्री जी से मुलाकात कर, सम्पूर्ण वस्तुस्थिति से अवगत कराया जाएगा।

चिरमिरी शराब दुकान में हुए घोटाले को छिपाने विभाग लगातार दिख रहा सक्रिय

चिरमिरी शराब दुकान में हुए लाखों के घोटाले को छिपाने आबकारी विभाग लगातार सक्रिय नज़र आ रहा है और वह किसी तरह घोटाले की राशि की भरपाई के जुगाड में लगा हुआ है,वहीं इसका जिम्मा भी जिलेभर के सभी शराब दुकानों के जिम्मे डाल दिया गया है और अब जिलेभर के शराब दुकान संचालक आपस में मिलकर एक दुकान के घोटाले की राशि जमा करेंगे जिससे घोटाला घोटाला साबित न हो सके।

जिले भर के शराब दुकान मिलकर करेंगे एक दुकान में हुए घोटाले की राशि की भरपाई,भरपाई के बाद मिलावटी शराब बेचने की मिलेगी सभी को छूट

जिलेभर के शराब दुकान संचालक विभाग के मौखिक आदेश अनुसार अब चिरमिरी के एक शराब दुकान में हुए शराब बिक्री राशि घोटाले की राशि की भरपाई करेंगे और उसके बाद सभी दुकानदारों को शराब में मिलावट की आगे से छूट मिलेगी,छूट उन्हे पहले से मिली हुई है और मिलावट भी जारी है लेकिन अब जब उनसे एक दुकान की घोटाले की राशि भरपाई कराई जाएगी उन्हे और छूट दी जाएगी जिससे जल्द से जल्द शराब घोटाले की भरपाई की वह राशि वह पा सकें जो उन्होंने एक दुकान के लिए अपने दुकान से दी है।

कई शराब दुकानों की बिक्री राशि अभी तक नहीं पहुंची बैंक

सूत्रों की माने तो कई शराब दुकानों की बिक्री राशि अभी तक बैंक नहीं पहुंची है और उनका महीने का हिसाब बैंक में जमा होना शेष है,सूत्रों की माने तो घोटाले की भरपाई के लिए यह विलंब किया जा रहा है और अन्य दुकानों से पहले घोटाले बाज दुकानदार का पैसा पहले जमा हो यह विभाग का प्रयास है इसीलिए विलंब हो रहा है।

सीसीटीवी अंदर कमरों में भी लगाया जाए शराब प्रेमियों की है मांग

वहीं अब शराब प्रेमियों की भी एक मांग सामने आ रही है और वह मांग कर रहें हैं की सीसीटीवी कैमरा दुकानों के अंदर के कमरों में भी लगाया जाए,मिलावट अंदर के कमरों में किया जाता है जो किसी को दिखाई नहीं देता यदि सीसीटीवी कैमरा अंदर के कमरों में लगाया जाएगा तो अंदर में जारी मिलावट का खेल उजागर हो जायेगा वहीं शराब प्रेमियों का यह भी कहना है की सभी सीसीटीवी कैमरों का डिस्प्ले बाहर लगाया जाए तभी यह मिलावट का खेल रुक सकेगा।

मिलावट के खेल से सरकार को भी हो रहा नुकसान,कुल बिक्री में से आधा बिक्री मिलावटी शराब की हो रही जिससे असल बिक्री घट रही है

शराब दुकानों का जब शासकीयकरण किया गया तब लगा की आबकारी विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों के लिए यह बड़ी क्षति है और उनके अतिरिक्त आय पर इसका असर पड़ेगा लेकिन यह पूरा मामला उल्टा साबित हुआ और विभाग ने शासकीय शराब दुकानों को ही वसूली का जरिया बना लिया जिसके लिए मिलावट करने का पूरा गुण दुकान संचालकों को सिखाया गया जो सूत्रों का कहना है। बताया जाता है की मिलावटी शराब से जहां शराब प्रेमियों को जान का खतरा है वहीं इससे शासन को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है। दिनभर में एक दुकान में जो भी बिक्री हो रही है उसमे आधा असली शराब बेची जा रही है और आधा मिलावटी, असली शराब की बिक्री राशि जहां शासन को राजस्व के रूप में मिल रही है वहीं मिलावटी शराब की राशि जो आधी है एक दिन के बिक्री की वह दुकान संचालक और आबकारी विभाग में बांटी जा रही है,इस तरह कुल बिक्री जो दिनभर में एक दिन में हो रही है जो यदि असली शराब बेची जाए तो पूरी राशि राजस्व आय होगी वह आधी ही राजस्व आय हो पा रही है क्योंकि मिलावटी शराब की आधी राशि बंदरबांट की जा रही है।

कोरिया कांग्रेस कमेटी की जिम्मेदारी मिल सकती है प्रदीप गुप्ता को:सूत्र

कोरिया जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बहोत जल्द बदले जा सकते हैं,हो सकती है नए जिलाध्यक्ष की नियुक्ति

» क्या ऐन चुनाव के वक्त कोरिया जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष को बदला जाना सही निर्णय होगा?

» एमसीबी जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष की भी नियुक्ति अब संभव,जल्द हो सकती है घोषणा

» एमसीबी जिलाध्यक्ष की दौड़ में अशोक श्रीवास्तव व के डोमरू रेड्डी का नाम शामिल,दोनो में से एक को मिल सकता है मौका

-रवि सिंह-

एमसीबी/कोरिया 11 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। कोरिया जिला सहित एमसीबी नवीन जिले में अब जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष की नियुक्ति नए सिरे से होगी जिसकी सुगबुगाहट सुनाई देने लगी है।
कोरिया जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जो वर्तमान में नजीर अजहर हैं उनके स्थान पर प्रदीप गुप्ता को जिम्मेदारी मिल सकती है ऐसा सूत्रों का दावा हैं वहीं एमसीबी नवीन जिले में नए जिलाध्यक्ष की नियुक्ति भी की जानी है जो जिला गठन के बाद से नहीं हुई है और जहां के लिए दो नाम सामने आ रहे हैं जिनमे एक पूर्व महापौर चिरमिरी के डोमरु रेड्डी का नाम है वहीं दूसरा अशोक श्रीवास्तव का नाम शामिल है।
नवीन जिले में जिलाध्यक्ष की नियुक्ति जहां होनी चाहिए वहीं कोरिया जिलाध्यक्ष को बदला जाना शायद सही नहीं कहा जा सकता क्योंकि अविभाजित जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर उन्हीं के कार्यकाल में जीत दर्ज की थी पार्टी ने और इस हिसाब से उनको हटाया जाना उचित नहीं जान पड़ता जो लोगों के मुंह से भी सुना जा सकता है वहीं कोरिया जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक समुदाय से आते हैं और इस हिसाब से भी उनको हटाया जाना पार्टी के लिए सही संदेश देता हुआ नहीं जान पड़ता जो पार्टी के लिए सोचनीय विषय होना चाहिए वहीं एमसीबी नवीन जिले से जो दो नाम जिलाध्यक्ष की दौड़ में शामिल हैं उनमें दोनो ही संगठन के लिए बेहतर साबित हो सकते हैं क्योंकि दोनो के ही पास पर्याप्त अनुभव है और दोनो ही कांग्रेस के पुराने नेता हैं। पूर्व महापौर जहां संगठन सहित निगम चलाने में भी माहिर थे और उनके कार्यकाल में निगम ने बेहतर काम किया था जिनकी कमी आज निगम झेल भी रहा है वहीं अशोक श्रीवास्तव भी संगठन के मामले में काफी अनुभवी हैं और कार्यकर्ताओं के बीच उनकी अच्छी पैठ है। एमसीबी जिले के लिए संभावित दोनो ही नाम पार्टी के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं इसमें कोई शक नहीं है। अब देखना है की कब तक यह घोषणा होती है और किन्हें जिम्मेदारी मिलती है।

कोरिया जिलाध्यक्ष को ऐन चुनाव के वक्त बदला जाना कहीं पार्टी के लिए नुकसानदायक साबित न हो जाए

कांग्रेस पार्टी कोरिया जिलाध्यक्ष को बदल सकती है ऐसा सूत्रों का कहना हैं वहीं अब कुछ ही माह बाद चुनाव होने हैं ऐसे में यह निर्णय कितना सही होगा यह पार्टी के लिए सोचनीय विषय होना चाहिए। कोरिया जिलाध्यक्ष रहते हुए वर्तमान जिलाध्यक्ष ने पार्टी को अविभाजित कोरिया जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर जीत दिलाई थी और उनके ही कार्यकाल में सरकार पंद्रह वर्षों बाद सत्ता में वापसी कर पाई थी ऐसे में जिलाध्यक्ष को बदला जाना अभी उचित नहीं जान पड़ता। फिलहाल कोरिया जिला संगठन काम भी बेहतर कर रहा है और संगठन में कोई नाराज भी नजर नहीं आ रहा है खासकर संगठन से कोई नाराज नहीं है ऐसे में जिलाध्यक्ष बदला जाना फिलहाल अनुचित ही जान पड़ता है जो कार्यकर्ताओं का भी मानना है।

कोरिया जिले के लिए संभावित है प्रदीप गुप्ता का जिलाध्यक्ष के लिए नाम,संगठन के लिए साबित होंगे फायदेमंद

विश्वास कम संदेह ज्यादा

कोरिया जिला कांग्रेस कमेटी के नए जिलाध्यक्ष। के रूप में प्रदीप गुप्ता का नाम सबसे ऊपर चल रहा है और यदि उनकी व्यक्तिगत बात की जाए और कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं के अनुसार बात की जाए तो वह पार्टी के लिए फायदेमंद साबित होंगे इसमें संदेह है क्योंकि उनके पास न तो ज्यादा अनुभव है और न ही उनकी सक्रियता ही कहीं नजर आती है। बड़े नेताओं के आगमन पर केवल दिखाई देने के अलावा आज तक पार्टी के लिए उनकी तरफ से कोई उपलब्धि ढूंढी जाए तो शायद ही मिलेगी वहीं पार्टी ने जब कभी भी उन्हें मौका दिया वह पार्टी के लिए नुकसानदायक ही साबित हुए जो कई चुनाव के परिणाम भी बताते हैं,एकबार तो वह खुद की ही जमानत जब्त करा चुके हैं और साथ में पार्टी की भी जो उनकी अलोकप्रियता साबित करने वाला परिणाम रहा है।

कोरिया जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक समुदाय से आते हैं,जिले में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की संख्या भी अच्छी खासी है

कोरिया जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष वर्तमान अल्पसंख्यक समुदाय से आते हैं और जिले में अल्पसंख्यक समुदाय की संख्या भी अच्छी खासी है ऐसे में उन्हें हटाए जाने पर अल्पसंख्यक समुदाय में संदेश भी अच्छा नहीं जायेगा वहीं ऐन चुनाव के वक्त ऐसा निर्णय पार्टी के लिए गलत संदेश देता नजर आएगा। जिलाध्यक्ष यदि बदला भी जाए तो चुनाव के बाद ऐसा पार्टी के ही कार्यकर्ताओं की मंशा है।

प्रदीप गुप्ता से भी अच्छे विकल्प कोरिया कांग्रेस के पास मौजूद,उन्हे दिया मौका तो पार्टी को हो सकता है फायदा

कोरिया कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष को बदला जाना यदि आवश्यक ही है तो प्रदीप गुप्ता से भी अच्छे विकल्प जिले में मौजूद हैं ऐसा पार्टी के बीच ही चर्चा जारी है और कार्यकर्ताओं का मानना है की ग्रामीण क्षेत्र से भी जिलाध्यक्ष की दौड़ में कुछ नाम ऐसे शामिल किए जा सकते हैं जो पार्टी लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं और जिनके पास अपना जनाधार भी होगा। शहर से ही वर्तमान जिलाध्यक्ष हैं और पुनः शहर से ही पुनः नियुक्ति कहीं पार्टी के लिए नुकसानदायक साबित न हो यह भी कार्यकर्ताओं का मानना है वहीं शहर से ही चुनाव करना है तो कई अन्य नामों पर चर्चा हो यह भी कार्यकर्ताओं की मांग है।

एमसीबी जिलाध्यक्ष की दौड़ में शामिल दोनो नाम पार्टी के लिए होगें फायदेमंद साबित

वहीं एमसीबी जिले की यदि बात की जाए तो जिले में अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल दोनो ही नाम पार्टी के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं और चुनाव में पार्टी को फायदा पहुंचा सकते हैं। अशोक श्रीवास्तव जहां ग्रामीण परिवेश से आते हैं और शहरी क्षेत्र में भी अच्छी पकड़ रखते हैं वहीं के डोमरू रेड्डी महापौर रह चुके हैं और उन्हें संगठन सहित सत्ता चलाने का भी अनुभव है। वैसे एमसीबी जिले के लिए जो दो नाम सामने आ रहें हैं दोनो ही विधायक की पसंद होंगे यह कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि दोनो से ही विधायक की दूरी लगातार बनी हुई देखी गई है और मुखर होकर दोनो ने विधायक के गलत कार्यों का विरोध भी किया है वैसे विधायक किसे जिलाध्यक्ष देखना चाहते हैं यह स्पष्ट नहीं हुआ है लेकिन इन दोनो नामों पर विधायक की सहमति शायद ही होगी यह कहना गलत नहीं होगा।

पुलिस ने लूट के आरोपियों को किया गिरफ्तार

-संवाददाता-

कोरबा 11 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी शुभम पटेल उर्फ शुभ पिता शिवराम पटेल उम्र 27 वर्ष सा0 छातापाठ थाना उरगा जिला कोरबा, हा0मु0 कांशीनगर नूरी मस्जिद के पास थाना सिविल लाईन रामपुर जिला कोरबा का चौकी उपस्थित आकर लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर प्रथम सूचना पत्र दर्ज कराया कि दिनांक 28.06.2023 के रात 11.00 बजे के आसपास यह अपने मोटर सायकल से बच्चे का दुध लेने के लिए घंटाघर ठेले के पास गया था वहा पर रांझा कंसारी एवं सोनू अर्केल दोनो निवासी सुभाष ब्लाक नर्सरी मोहल्ला का मिला, जो इसे बोले कि हमारे पास मोटर सायकल नही हैं आप हमारा मदद कर दो और हमें मुड़ापार हेलीपेड के पास छोड़ दो बोले तो यह उनका मदद करने के नाते उनको अपने मोटर सायकल से बैठाकर मुड़ापार के पास ले गया जो इसे बोला कि कब्रिस्थान के पास वाला भवन के पास छोड़ देना यह उनको उनके बताये जगह पर लेकर गया, वहां पर पहले सतीष बेला और राम साहू शराब पी रहे थे जैसे ही यह वहां पर पहूंचा तो सोनू अर्केल, रांझा कंसारी, सतीश बेला और राम साहू सब मिलकर इसे मारने पीटने का भय दिखाकर इसके पास से एक काला रंग का लेविस कम्पनी का पर्स तथा उसके अंदर नगदी रकम 8,300 रूपये, इसका आधार कार्ड का मूल प्रति, 02.रियालमी नार्जी 58 ए प्राईम का ऐन्ड्राईड मोबाईल फोन जिसमें जियो कम्पनी का सिम - 8959382593 एवं सिम नम्बर - 7441194468 लगा था कीमती 8,000 रूपये, 03. चांदी का ब्रेसलेट कीमती करीबन 3,500 रूपये, 04. कान का सोना का बाली कीमती करीबन 10,000 रूपये कुल कीमत करीबन 29,800 रूपये को लूट कर ले गये है का रिपोर्ट दर्ज कराया है ढ्ढ जो प्रार्थी के रिपोर्ट अपराध क्रमांक 406 / 2023 धारा 392, 34 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। प्रकरण के गम्भीरता को पुलिस अधीक्षक कोरबा यू0उदय किरण, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा अभिषेक वर्मा व नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा विश्व दीपक त्रिपाठी को अवगत करा कर त्वरित कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया ढ्ढ वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में निरीक्षक रूपक शर्मा थाना कोतवाली के कुशल मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी मानिकपुर उनि प्रेमचंद साहू के नेतृत्व में अज्ञात आरोपी के पतासाजी शुरू किया गया, पता साजी के क्रम में लूठरो की पतासाजी हेतु मुखबिर का जाल फैलाया गया । इसी दौरान चौकी प्रभारी मानिकपुर उनि प्रेमचंद साहू को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुआ है कि लूट करने वाले आरोपी सोनू अर्केल, रांझा कंसारी, सतीष बेला और राम साहू मुड़ापार की अस्पताल कॉलोनी के पीछे झाड़ियों में छिपे है, जिनको पकड़ने हेतु टीम तैयार कर मुड़ापार में पकड़ा गया, जिनको पृथक-पृथक पूछताछ करने पर पहले तो गुमराह करते रहे जो पुलिस टीम के द्वारा हिकमत अमली से पूछताछ करने पर टुट गये और लूट की मशरूका को बरामद कर आरोपीयों के विरूद्ध धारा सदर का अपराध घटित करना सबूत पाये जाने से धारा सदर में विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी मानिकपुर उनि प्रेमचंद साहू, प्रआर0 अवधेश यादव, आरक्षक संजय रात्रे, संदीप सिंह, प्रदीप राठौर, अशोक पाटले, कृष्णा पटेल, की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भाजपा के घोषणा-पत्र समिति के सदस्य बने राम लखन पैकरा

-संवाददाता-

कुसमी 11 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने छत्तीसगढ़ में आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा घोषणा पत्र के लिए समिति का गठन किया है। इसमें प्रदेश भर से 31 नेताओं का नाम शामिल है,मिली जानकारी के मुताबिक सांसद विजय बघेल को इस घोषणापत्र समिति का संयोजक बनाया गया है तो वही पूर्व राज्यसभा सांसद रामविचार नेताम, अमर अग्रवाल , शिवरतन शर्मा को संयोजक बनाया गया है , बलरामपुर जिले के सामरी विधानसभा के वरिष्ठ नेता पूर्व में विभिन्न पदों में अपने दायित्व का निर्वहन कर चुके राम लखन पैकरा को इस घोषणा पत्र समिति का सदस्य बनाया गया है, जिससे कार्यकर्ताओं में काफी खुशी है , रामलखन पैकरा ने घोषणापत्र समिति में शामिल होने से वे इस क्षेत्र के स्थानीय व आमजनो की आकांक्षा को पूर्ण करने , जन भावनाओं को घोषना पत्र में शामिल करने का प्रयास करेंगे, भाजपा द्वारा घोषित घोषणा पत्र समिति के सदस्य बनाये जाने पर राम लखन पैकरा ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है।

कटघोरा क्षेत्र में हाथियों के विचरण से दहशत,हाथियों की निगरानी में रात भर जुटा रहा वन अमला

-संवाददाता-

कोरबा 11 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। कोरबा जिले के कटघोरा एवं कोरबा वन मंडल के जंगलों में बड़ी संख्या में हाथियों का दल विचरण कर रहा है। जहां कटघोरा वन मंडल के पसान, केंदई व जटगा रेंज मे चार दर्जन से अधिक हाथी सक्रिय है वहीं कोरबा वन मंडल के कुदमुरा लेमरू व कोरबा रेंज में मौजूद हाथियों की संख्या 18 बताई जा रही है। कुदमुरा क्षेत्र में सक्रिय एक दंतैल हाथी बीति रात आगे बढ़कर कोरबा रेंज की सीमा में प्रवेश किया और गेराव गांव के पास स्थित जंगल में डेराडाल दिया। जबकि चचिया परिसर में अभी भी एक दर्जन हाथी जमे हुए है। यहां नवजात शावक की मौत के बात दल आगे नहीं बढ़ रहा है जबकि दल में शामिल एक दंतैल अलग होकर जिलगा पहुंच गया । वहीं दो हाथियो की दस्तक एक बार फिर धरमजयगढ़ से हुई है। जो गीत कुंवारी में घूम रहे है । लेमरू रेंज में शनिवार की रात पहुंचे दो हाथी अभी भी यहां के जंगल में मौजूद है। वन अमला ये दोनों हाथियों की निगरानी में रात भर जुटा रहा। गेराव क्षेत्र में दंतैल के पहुंचने की सूचना मिलने पर वन अमला एलर्ट हो गया है और उसकी निगरानी में जुट गया ।फिलहाल वन अमला द्वारा गेराव व आस-पास के गावं में मुनादी कराई जा रही है।

पट्टा वितरण के कार्यक्रम में विधायक ने पटवारी को जमकर लगाया फटकार

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गंवा 11 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। जानकारी के मुताबिक जनपद पंचायत खड़गंवा के समुदायिक भवन में पट्टा वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक विनय जायसवाल ने इस दौरान खड़गवां तहसील कार्यालय क्षेत्र नदी उस पार में पदस्थ पटवारी सुदामा साहू की ग्रामीणों ने लिखित शिकायत की. ग्रामीणों ने विधायक विनय जायसवाल को बताया कि राज्य सरकार की योजनाओं को जमीनी रूप देने में पटवारी ग्रामीणों से प्रतिकार्य में 10 हजार रुपए रिश्वत लेता है ग्रामीणों की लिखित शिकायत पर मनेंद्रगढ़ विधायक ने पटवारी को कड़ी फटकार लगाई और मौके पर उपस्थित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नयन तारा सिंह तोमर को तत्काल कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए
इस तरह का कोई ये नया मामला नहीं है इस पटवारी के द्वारा मंगोरा ग्राम पंचायत में निर्माणाधीन उच्च स्तरीय पुल के निर्माण कार्य के एप्रोच निर्माण कार्य में किसानों की अधिग्रहण गई भूमि के मुआवजा राशि में भी पुल निर्माण कार्य में लगे इंजिनियर और हल्का पटवारी के द्वारा किसानों से मुआवजा राशि के एवज में लाखों रुपए की राशि की मांग की जा रही है इसकी भी शिकायत किसानों ने की थी जिसकी जांच नहीं हुई और मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

नगर पालिका में भाजपा के 07 पार्षदो समेत 01 अन्य पार्षद ने अध्यक्ष के खिलाफ खोला मोर्चा

-संवाददाता-

कोरबा 11 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। कटघोरा नगर पालिका में अभी चुनाव को लगभग 01 वर्ष बचा है लेकिन कटघोरा नगर पालिका में इस समय राजनीतिक सियासत अपने चरम पर है। यहां के भारतीय जनता पार्टी के 07 पार्षद समेत एक अन्य पार्षद ने नगर पालिका अध्यक्ष रतन मित्तल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जिला कलेक्टर के पास 08 पार्षदों ने अविश्वास प्रस्ताव के लिए आवेदन जमा किया है। भारतीय जनता पार्टी के 07 पार्षद सहित 01 अन्य पार्षद ने मिलकर कांग्रेस पार्टी के नगर पालिका अध्यक्ष रतन मित्तल पर सीधा आरोप लगाते हुए अविश्वास प्रस्ताव में बताया कि नगर पालिका अध्यक्ष रतन मित्तल द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को रोकने के साथ उन पर मनमानी करने का आरोप लगाया है और बताया कि शासन के पैसे का लगातार अध्यक्ष द्वारा दुरुपयोग करते हुए नगर के विकास में बाधा उत्पन्न किया जा रहा है। सभी 08 पार्षदों के द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष के विरुद्ध छत्तीसगढ़ अधिनियम 1961 की धारा 43 (क) के अंतर्गत अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। अविश्वास प्रस्ताव लाने से नगर में यह चर्चा का विषय बन गया है। अब देखने वाली बात होगी कि क्या बीजेपी द्वारा लाये गए अविश्वास प्रस्ताव पर क्या परिवर्तन होगा यह अपने आप मे लोगों के लिए एक प्रश्न बनकर रह गया है? ज्ञापन सौंपने के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, कटघोरा नगर पालिका के भाजपा पार्षद बजरंग लाल पटेल, श्रीमती अर्चना अग्रवाल, आत्मा नारायण पटेल, श्रीमती ममता अग्रवाल, मुरली साहू, शरद कुमार अग्रवाल, शैल आर्मो के साथ-साथ निर्दलीय पार्षद किशोर दिवाकर उपस्थित रहे।

आदिवासी भाई ,बहन को बंधक बनाकर पीटने का मामला सामने आने पर पुलिस ने तत्काल लिया संज्ञान

-संवाददाता-

खड़गंवा 11 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। पोड़ी बचरा क्षेत्र में पोड़ी मुख्यालय में मोबाइल दुकान संचालक पति और पत्नि के द्वारा मारपीट के मामले में खड़गवां पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मारपीट करने के आरोप में मोबाइल दुकान संचालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने मारपीट की शिकार हुई आदिवासी भाई बहन के मामले में फरार दुकान संचालक की आरोपी की पत्नि बिंदू ठाकुर की तलाश जारी है , पुलिस टीम फरार महिला की सरगर्मी से तलाश कर रही है मामले की जानकारी से बताया कि थाना क्षेत्र के पोडी बचरा के रहने वाले उमेश ठाकुर ने बीते गुरुवार को मिली जानकारी के अनुसार पैसों को लेकर विवाद हुआ था अपनी पत्नी के साथ मिलकर दुकान में आए भाई बहन को बंधक बनाकर उनके साथ मारपीट की थी.पीड़ितो ने शुक्रवार को खड़गवां थाने में मामला दर्ज कराया. मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने मारपीट करने वालो की पहचान की और महज 24 घंटे में मारपीट के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया पुलिस मामले में आरोपी पत्नि की तलाश कर रही है।

सूत्रों से जानकारी भी प्राप्त हो रही है कि आरोपी महिला पूर्व में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की पोड़ी बचरा मंडल में उपाध्यक्ष पद पर थी और वर्तमान में महिला बिहान योजना समूह में कार्यरत हैं बिहान योजना का मूल उद्देश्य है कि महिलाओं को सशक्त कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस योजना को लागू किया गया है मगर उसी समूह में कार्यरत महिला के द्वारा आदिवासी महिला को बंधक बनाकर कर मारपीट किया गया है।इस तरह के कृत करने वालो को राजनीति संरक्षण भी दिया जा रहा है। और मारपीट करने वाले दो आरोपीओ को बचाने के लिए आदिवासी पीडिता के ऊपर दबाव बनाया जा रहा है और उन्हें आपसी समझौता करने के लिए हर तरह से मजबूर किया जा रहा है। जबकि गुरुवार को हुई घटना में खड़गवां पुलिस ने धारा 354, 354ख,294,506,323,355,34,(1) के तहत मामला पंजीबद्ध कर लिया है।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202306020700114

विषय:-अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व
सन:- 2022-2023
नमनाकला प.ह.न. 00020(401/3 (0.0080हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-लेओनार्ड तिर्की
अनावेदक पक्षकार- अप्रेम, सरोजनी, संजय,दीपक,एडमान

ईश्तहार

आवेदक लेओनार्ड तिर्की आ0 स्व0 इमील तिर्की, निवासी नमनाकला, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला, तहसील अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 401/3 रकबा 0.162 हे0 में से रकबा 0.008 हे0 भूमि पर आवेदक के नाम पर संशोषित करते हुये शेष बचत भूमि आवेदक एवं अनावेदकगणों के संयुक्त खाते में संशोधित करते हुये विक्रम का नाम राजस्व अभिलेखों से विलोपित करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जो ई-नामांतरण पोर्टल से ई-कोर्ट में प्राप्त हुआ है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 19/07/2023 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्त कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 22/06/2023 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार सरगुजा (अम्बिकापुर)

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा.प्र.क्र./अ-6-अ/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सुचीता केरकेट्टा पति रंजन केरकेट्टा, जाति उरांव, निवासी ग्राम भगवानपुरखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदिका द्वारा ग्राम अजिरमा स्थित भूमि खसरा नंबर 538/10 रकबा 0.030 हे0 पंजीबद्ध विक्रयपत्र दिनांक 14/06/2018 के माध्यम से नामांतरण किया गया था, परंतु वर्तमान राजस्व अभिलेखों में आवेदिका का नाम अंकित नहीं है। आवेदिका द्वारा उक्त भूमि के राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराये जाने हेतु निवेदन किया यगा है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेश दिनाकं 7/08/2023 को न्यायालय में स्वयं अपना अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक10/07/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

टेस्ट सीरीज में दो रिकॉर्ड पर रहेगी कोहली की नजर

» शतक लगाते ही कोहली कर लेंगे ब्रैडमैन की बराबरी

» यशस्वी जायसवाल और ईशान किशन वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट में करेंगे डेब्यू

» एक तो रोहित के साथ करेगा ओपनिंग

नईदिल्ली,11 जुलाई 2023। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 12 जुलाई से 2 मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने जा रही है। इस सीरीज के पहले मैच में ही अगर टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली रूक कर खेलते है और एक शतक के साथ में 150 रन बना लेते है तो वो दो रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। ऐसे में इस टेस्ट में उनके सामने दो रिकॉर्ड है जिनकी वो जरूर बराबरी करना चाहेंगे।

अगर विराट कोहली पहले टेस्ट में शतक लगा देते हैं तो वह टेस्ट में 29 शतक पूरे कर लेंगे। अगर वो 29वां शतक लगा देते है तो वह सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में संयुक्त रूप से दसवें नंबर पर पहुंच जाएंगे। साथ ही महान डॉन ब्रैडमैन की बराबरी कर लेंगे। ब्रैडमैन पहले ही 29 शतक लगा चुके हैं।

इसके साथ ही अगर विराट कोहली पहले टेस्ट में 150 रन बना लेते हैं तो वह सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने के मामले में जैक कैलिस को पीछे छोड़कर पांचवें स्थान पर पहुंच जाएंगे। आपको बता दे की तीनों फॉर्मेट को मिलाकर कोहली ने फिलहाल 25,385 रन बनाए हैं, जबकि साउथ अफ्रीका के कैलिस के नाम 25,534 रन दर्ज हैं।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच 12 जुलाई यानी बुधवार से टेस्ट सीरीज की शुरूआत होने जा रही है। 2 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला डोमिनिका के रोलेउ में खेला जाएगा। इस सीरीज के लिए 16 सदस्ययी टीम की घोषणा हो चुकी है। अब प्लेइंग इलेवन की घोषणा होनी है।

इस 16 सदस्यीय भारतीय टीम में चार ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका टेस्ट डेब्यू नहीं हुआ है। रिपोर्ट्स की माने तो यशस्वी जायसवाल का पहले टेस्ट में डेब्यू होना पक्का है। वह ओपनिंग करते नजर आ सकते हैं।

साथ ही एक और खिलाड़ी ऐसा है जो डेब्यू करने वाला है। वह खिलाड़ी विकेटकीपर ईशान किशन हैं। ऋषभ पंत के एक्सीडेंट के बाद से केएस भरत टेस्ट में भारत के लिए कीपिंग कर रहे थे। लेकिन अब ईशान किशन को मौका मिल सकता है और इसका कारण यह है की भरत लगातार फेल हो रहे है और कुछ कमाल नहीं दिखा पा रहे है।

कैरेबियाई धरती पर 21 सालों से भारत के खिलाफ कोई टेस्ट नहीं जीत पाई है वेस्टइंडीज

भारत और वेस्टइंडीज के बीच दौरे की शुरूआत कल से होने जा रही है। एक लंबी सीरीज खेलने के लिए भारतीय टीम तैयार है। इस सीरीज में दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबले खेले जाने है। पहला टेस्ट बुधवार यानी के 12 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। पहला मुकाबला डोमिनिका में खेला जाना है।

वैसे आपको बता दे की भारत को पिछले महीने ही वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में रोहित की ब्रिगेड का लक्ष्य नई शुरुआत करने का है। इसके बाद भारत को एशिया कप और फिर वर्ल्ड कप खेलना है।

वैसे वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम थोड़ी मजबूत दिखाई दे रही है और इसका कारण यह है की कैरेबियाई धरती पर खेली गई पिछली चार टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम को जीत मिली है। ऐसे में अगर भारत ये सीरीज भी जितता है तो वो लगातार वेस्टइंडीज में पांचवी टेस्ट सीरीज जीत जाएगा। वैसे वेस्टइंडीज को आखिरी बार अपनी जमीन पर टीम इंडिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत साल 2002 में हासिल हुई थी। वेस्टइंडीज की टीम अपने घर में 21 सालों से भारत के खिलाफ एक भी टेस्ट नहीं जीत पाई है।

जून 2025 तक न्यूजीलैंड पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे गैरी स्टीड

वेलिंगटन,11 जुलाई 2023। गैरी स्टीड जून 2025 तक न्यूजीलैंड पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट (हूंष्ट) ने उनके साथ दो साल का अनुबंध विस्तार किया है।

स्टीड को पहली बार 2018 के अंत में दो साल के लिए नियुक्त किया गया था, इसके बाद उनका अनुबंध 2020 में भारत में आगामी वनडे विश्व कप के अंत तक नवीनीकृत किया गया था,हालांकि अब उनका कार्यकाल जून 2025 में चल रहे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र के समापन तक रहेगा।

इस साल विश्व कप के बाद, स्टीड की विस्तारित अवधि में अगली गर्मियों में टी20 विश्व कप, 2025 की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी और न्यूजीलैंड के क्वालीफाई होने पर 2025 में डब्ल्यूटीसी फाइनल शामिल होगा।

एनजेडसी की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह निर्णय एक लंबी और गहन परामर्श प्रक्रिया के बाद लिया गया था जिसमें स्टीड को विस्तार के लिए सर्वसम्मति से समर्थन मिला था।

एनजेडसी के जीएम हाई परफॉर्मेंस ब्रायन स्ट्रोनैच ने कहा, गैरी के लिए समर्थन बेहद सकारात्मक था। खिलाड़ियों, ब्लैककैप्स सपोर्ट स्टाफ, मेजर एसोसिएशन कोच और सपोर्ट स्टाफ के साथ-साथ न्यूजीलैंड क्रिकेट प्लेयर्स एसोसिएशन और एनजेडसी हाई परफॉर्मेंस यूनिट स्टाफ ने गैरी का पूर्ण समर्थन किया। गैरी के परिणाम बहुत प्रभावशाली रहे हैं और हमें विश्वास है कि उनके पास अभी भी टीम को देने के लिए बहुत कुछ है।

स्ट्रोनैच ने चौथे कोच की अवधारणा के बारे में भी बात की, जिसमें न्यूजीलैंड दौरे वाली टीमों को विशेषज्ञ कौशल या विशिष्ट विदेशी वातावरण या प्रारूपों का ज्ञान वाले कोचों द्वारा समर्थन दिया जाएगा। इसके हालिया उदाहरण स्टीफन फ्लेमिंग, शेन बॉन्ड, सकलैन मुश्ताक, ल्यूक राइट और थिलन समरवीरा की नियुक्तियाँ थीं।

एनजेडसी के मुख्य कार्यकारी डेविड व्हाइट ने कहा, इस निर्णय से पहले कई महीनों की चर्चा और परामर्श किया गया और सीईओ के रूप में, मैं बहुत संतुष्ट हूं कि सभी विकल्पों पर अच्छी तरह से विचार किया गया। मैं गैरी के लिए बहुत खुश हूं। वह एक गुणवत्तापूर्ण व्यक्ति है, उसे खिलाड़ियों का समर्थन और विश्वास प्राप्त है, और वह अपने काम में बहुत अच्छा है।

टेस्ट कप्तान टिम साउदी ने कहा,गैरी ने हमें तीनों प्रारूपों में फाइनल में पहुंचाने में बड़ी सफलता हासिल की और निश्चित रूप से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में जीत हासिल की। जिस तरह से वह आए और पहले जो हासिल किया, उसे आगे बढ़ाया, यह बहुत अच्छा है। खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ परिवार और प्रियजनों से दूर जितना समय बिताते हैं, वह एक चुनौतीपूर्ण माहौल बनाता है। इन दिनों बहुत अधिक क्रिकेट खेला जा रहा है, ऐसे में लोगों और उनके कार्यभार को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में सक्षम होना काम का एक बड़ा हिस्सा है।

राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैम्पियनशिप

» मीराबाई के बिना भी भारतीय भारोत्तोलकों का दबदबा रहने की उम्मीद

ग्रेटर नोएडा ,11 जुलाई 2023। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू के बिना भी मेजबान भारत को बुधवार से यहां शुरू हो रही राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में बड़ी संख्या में पदक मिलने की उम्मीद है। राष्ट्रमंडल खेल और राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप में हमेशा भारत का दबदबा रहा है। इसमें चीन और उत्तर कोरिया जैसे दिग्गज भाग नहीं लेते। राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप 2011 के बाद से भारत ने 2013 और 2021 को छोड़कर इसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। पिछली बार भारत ने 16 पदक जीते थे लेकिन स्वर्ण पदक कम होने के कारण कनाडा के बाद दूसरे स्थान पर रहा। इस साल भारतीय भारोत्तोलक उस कमी को पूरी करना चाहेंगे और अपने देश में खेलने का उन्हें फायदा भी मिलेगा।

तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई , युवा ओलंपिक चैम्पियन जेरेमी लालरिनुगा, राष्ट्रमंडल पदक विजेता अचिंता शेउली, बिंदियारानी देवी और संकेत सरगर अलग अलग कारणों से इसमें भाग नहीं ले रहे हैं। इसके बावजूद 20 सदस्यीय भारतीय दल में कई पदक उम्मीदें हैं। इनमें से कई 2021 में कामयाब रहे और उजबेकिस्तान में पदक जीते थे। पूर्व एशियाई चैम्पियन झिल्ली डालाबेहेरा 45 किलो में और

2022 जूनियर विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी देवी 49 किलोवर्ग में उतरेंगी। पॉपी हजारिका (59 किलो) और राष्ट्रमंडल खेल कांस्य पदक विजेता हरजिंदर कौर (71 किलो) तथा लवप्रीत सिंह (109 किलो) अपने रजत पदक को स्वर्ण में बदलना चाहेंगे। दो बार के चैम्पियन अजय सिंह की नजरें स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पर होगी।

एशियाई खेलों में भाग लेने जा रहे एन अजीत (73 किलो) के भारवर्ग में शेउली इस बार नहीं खेल रहे हैं लिहाजा वह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की कोशिश में होंगे। भारत में यह टूर्नामेंट दूसरी बार हो रहा है।इससे पहले 2015 में पुणे में इसका आयोजन हुआ था। इसमें 253 भारोत्तोलक सीनियर, जूनियर और युवा वर्ग में खेलेंगे जिनमें 52 भारतीय हैं। गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में इस टूर्नामेंट के बाद एडब्ल्यूएफ एशियाई जूनियर और युवा भारोत्तोलन चैम्पियनशिप भी होनी है।

भारतीय टीम : महिला : कोमल कोहार (45 किलो), झिल्ली डालाबेहेरा (49 किलो), ज्ञानेश्वरी यादव (49 किलो), शरबानी दास (55 किलो), पॉपी हजारिका (59 किलो), निरूपमा देवी (64 किलो),एस पल्लवी (64 किलो), हरजिंदर कौर (71 किलो), वंशिता वर्मा (81 किलो) , पूर्णिमा पांडे (प्लस 87 किलो) पुरूष -मुकुंद अहीर (55 किलो), टी माधवन (67 किलो), शुभम टोडकर (61 किलो), एन अजीत (73 किलो), अजय सिंह (81 किलो), अमरजीत गुरू (89 किलो), विश्वकर्मा जगदीश (96 किलो), हर्षद वाडेकर (96 किलो), हरचरण सिंह (102 किलो), लवप्रीत सिंह (109 किलो)।

जोकोविच कर्फ्यू के बाद 14वीं बार क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

अल्कराज भी टॉप 8 में शामिल

जोहेंसबर्ग,11 जुलाई 2023। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच टूर्नामेंट में अपनी 100वीं जीत दर्ज की है। उन्होंने अपने अनुभव के दम पर शानदार खेल दिखाया और ह्यूबर्ट हुरकाज को चार सेट में हरा दिया। इस जीत के साथ नोवाक जोकोविच ने विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। ऑल इंग्लैंड क्लब पर सात बार के चैंपियन और 24वें ग्रैंडस्लैम खिताब के लिए चुनौती पेश कर रहे जोकोविच ने हुरकाज को 7-6 (6), 7-6 (6), 5-7, 6-4 से हराकर 14वीं बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

नोवाक जोकोविच और ह्यूबर्ट हुरकाज के बीच मुकाबला रविवार नौ जुलाई को शुरू हुआ था मगर अधिक रात होने के कारण इस मुकाबले को विंबलडन कर्फ्यू के कारण बंद करना पड़ा था। रात 10.30 बजे तक चले इस मुकाबले में दो सेट से जोकोविच आगे थे। इसके बाद सोमवार यानी 10 जुलाई को दोबारा ये मुकाबला खेला गया जिसमें हुरकाज अपनी मजबूत सर्विस की बदौलत तीसरा सेट जीतने में सफल रहे। हालांकि उनकी ये जीत उनके काम नहीं आई और नौवाक ने चौथा सेट जीतकर अगले दौर में जगह बनाई।

जोकोविच ने मैच के बाद कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो मैंने विरोधी की सर्विस के दौरान गेम में कभी इतनी परेशानी महसूस नहीं की। ऐसा उसकी बेहद सटीक और ताकतवर सर्विस के कारण हुआ।''

बता दें कि हुरकाज ने इस वर्ष में अपनी कोई सर्विस नहीं गंवाई है, वो 67 गेम खेल चुके है। वहीं इस बार उनकी सर्विस इस साल पहली बार नोवाक जोकोविच ने तोड़ी है। नोवाक ने मुकाबले में चौथे सेट में 4-3 की बढ़त बनाने के दौरान उनकी सर्विस तोड़ी। बता दें कि इस मुकाबले में ही पोलैंड के 17वें वरीय खिलाड़ी ने अपनी सर्विस पर सभी 18 ब्रेक प्वाइंट बचाए थे।

जोकोविच ने अपने करियर में 56वीं बार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पुरुष वर्ग में

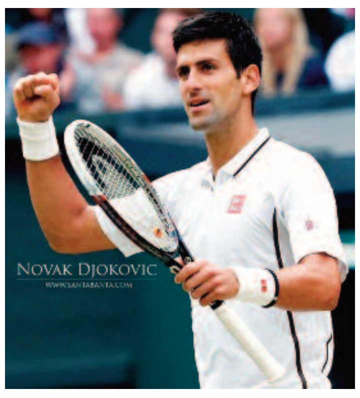

रिकॉर्ड रोजर फेडरर के नाम दर्ज है जो 58 बार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। जोकोविच सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए आंद्रे रूबलेव से भिड़ेंगे।

कार्लोस ने अगले राउंड में पहुंचे

इस टूर्नामेंट में पहली वरियता टेनिस प्लेयर कार्लोस अल्कराज की भिड़ंत 2021 के उपविजेता माटेओ बेरेटिनी से हुई थी। इस मुकाबले में अल्कराज पहला सेट हार गए। हालांकि उन्होंने पहला सेट हारने के बाद उम्मीद नहीं छोड़ी और फिर दमदार वापसी की। उन्होंने फिर 3-6, 6-3, 6-3, 6-3 से जीता। इस जीत के साथ ही अल्कराज ने पहली बार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफलता हासिल की है।

ऐसा रहा महिलाओं का मुकाबला

रूस की अनुभवहीन किशोरी मीरा आंद्रीवा ने भी प्रभावित किया लेकिन महिला एकल स्पर्धा से बाहर हो गईं। सिर्फ 16 साल की रूस की क्वालीफायर आंद्रीवा को 25वीं वरीय मेडिसन कीज के खिलाफ पहला सेट जीतने के बाद 6-3, 6-7, 2-6 से शिकस्त झेलनी पड़ी। आंद्रीवा विंबलडन ड्रॉ में सबसे युवा खिलाड़ी हैं। वह 1997 में अन्ना कूर्निकोवा के बाद विंबलडन क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बनने के लिए चुनौती पेश कर रहीं थी। कीज अगले दौर में दूसरी वरीय एरिना सबालेंका से भिड़ेंगी जिन्होंने 21वीं वरीय एकाटेरिना एलेक्सांद्रोवा को 6-4, 6-0 से हराया। गत चैंपियन एलेना रिबाकिना भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही।

बीट्रिज हदाद माइया के कमर की चोट के कारण मुकाबले से हटने पर रिबाकिना ने अगले दौर में जगह बनाई। रिबाकिना जब 4-1 से आगे चल रही थी तो माइया ने मैच से हटने का फैसला किया। पुरुष वर्ग में क्रिस युबैंक्स ने पहली बार विंबलडन में खेलते हुए पांचवें वरीय स्टेफानोस सितसिपास को 3-6, 7-6 (4), 3-6, 6-4, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वह अगले दौर में तीसरे वरीय दानिल मेदवेदेव से भिड़ेंगे जिन्होंने जिरी लेहेका के हटने पर अगले दौर में प्रवेश किया। जिरी ने जब हटने का फैसला किया तब रूस का खिलाड़ी6-4, 6-2 से आगे था।

एमएलसी के उद्घाटन सत्र में एलए नाइट राइडर्स का नेतृत्व करेंगे सुनील नरेन

नई दिल्ली,11 जुलाई 2023। वेस्टइंडीज के हरफनमौला खिलाड़ी सुनील नरेन यूएसए में 13 जुलाई से शुरू होने वाले एमएलसी के उद्घाटन सत्र में एलए नाइट राइडर्स (एलएकेआर) का नेतृत्व करेंगे।नरेन और उनके कोलकाता नाइट राइडर्स टीम के साथी आंद्रे रसेल नाइट राइडर्स फ्रेंचाइजी के बड़े नामों में से हैं, जिन्होंने एमएलसी में फिल सिमंस को अपना मुख्य कोच भी नामित किया है। एलएकेआर ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ लीग में अपने अभिनय की शुरुआत करेगा।नरेन ने नाइट राइडर्स की एक विज्ञप्ति में कहा, मैंने हमेशा इस बारे में बात की

है कि मैं नाइट राइडर्स का प्रतिनिधित्व करना चाहता हूं, जहां चाहे वे जहां भी खेलें। उन्होंने कहा,हमने लंबे समय से संयुक्त राज्य अमेरिका आने के बारे में बात की है और मुझे खुशी है कि आखिरकार ऐसा हो रहा है। इस टीम के कप्तान के रूप में, मैं चुनौती का इंतजार कर रहा हूं। इस टीम में कई अनुभवी लोग हैं जिनके बारे में मैं जानकारी दे सकता हूं, इसलिए यह हमारे लिए एक रोमांचक समय होगा। हम उम्मीद करते हैं कि अमेरिका में सभी नाइट राइडर्स प्रशंसक आगे आएंगे और हमारा समर्थन करेंगे, और दुनिया भर के सभी लोग हमारे लिए उत्साह बढ़ाते रहेंगे।

राम पोथिनेनी और पुरी जगन्नाध फिर आए साथ

साल 2019 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई दक्षिण भारतीय सिनेमा का हिट फिल्म आईस्मार्ट शंकर ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। इसमें राम पोथिनेनी मुख्य भूमिका में नजर आए थे, जबकि इसके निर्देशन की कमान पुरी जगन्नाध ने

संभाली था। अब करीब 3 साल बाद निर्माताओं ने आईस्मार्ट शंकर के सीक्वल का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम डबल आईस्मार्ट रखा गया है। आईस्मार्ट शंकर के सीक्वल के लिए फिर से पोथिनेनी और जगन्नाध एक साथ आए हैं।

पोथिनेनी ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, दोगुना मनोरंजन। दोगुना एक्शन। दोगुना पागलपन। हम वापस आ गये। डबल आईस्मार्ट मोड चालू। इसके साथ निर्माताओं ने डबल आईस्मार्ट की रिलीज तारीख का ऐलान भी कर दिया है। यह फिल्म महाशिवरात्रि के खास मौके पर 8 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। डबल आईस्मार्ट को हिंदी सहित तमिल तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में जारी किया जाएगा।

इस बीच काम के मोर्चे पर, अभिनेता राम पोथिनेनी स्कंद के लिए निर्देशक बोयापति श्रीनु के साथ काम कर रहे हैं, जिसमें भगवान कार्तिकेय या सुब्रमण्यम स्वामी का नाम लिया गया है।

शॉर्ट ड्रेस में भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक ने दिखाई दिलकश अदाएं

भोजपुरी क्वीन नेहा मलिका आए दिन अपनी हॉट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस के दिलों पर राज करती हैं। उनका हर एक फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट सेक्सी तस्वीरों से फैंस को बेकाबू कर दिया है। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देख लोगों ने अपने लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देनी स्टार्ट कर दी है। एक्ट्रेस नेहा मलिक ने हाल ही में अपनी रिवीलिंग शॉर्ट ड्रेस में फोटोशूट करवाया है। उनकी ये तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लग गई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक के लेटेस्ट लुक को देखकर सोशल मीडिया पर तहलका मच गया है। इन तस्वीरों में अभिनेत्री नेहा मलिक ने पिंक कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो कातिलाना पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। नेहा मलिक ये बखूबी जानती हैं कि उन्हें लोगों के बीच कैसे लाइमलाइट चुराना है। हालांकि एक्ट्रेस अपना ये जलवा बरकरार रखने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव भी रहती हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं सनग्लासेस लगाकर नेहा मलिक ने कार के पास खड़े होकर बेहद ही किलर पोज दिए हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक अपनी कार की बोनट में बैठे हुए काफी स्टनिंग लुक्स देती हुई नजर आ रही हैं। फैंस भी उनके इस लुक को काफी लाइक कर रहे हैं।

अभिषेक और सैयामी की फिल्म घूमर पहुंची इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न

पिछले कुछ दिनों से फिल्म घूमर सुर्खियों में हैं। पिछले महीने इस फिल्म से अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर की पहली झलक सामने आई थी। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह इसलिए भी है क्योंकि इसके निर्देशन की जिम्मेदारी आर बाल्की पर है, जो चीनी कम, पा और मिशन मंगल जैसी कई बेहतरीन फिल्में दर्शकों के बीच पेश कर चुके हैं। अब खबर है कि उनकी फिल्म घूमर को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में दिखाया जाएगा।

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) में घूमर का प्रीमियर होने वाला है। यह फेस्टिवल 12 अगस्त से शुरू होगा और इसकी शुरुआत घूमर की स्क्रीनिंग के साथ ही होगी। अभिषेक और सैयामी के अलावा इस फिल्म में शबाना आजमी और अंगद बेदी जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है और मेलबर्न को स्पोर्ट्स का मक्का कहा जाता है। घूमर के जरिए एक शारीरिक रूप से अशक्त खिलाड़ी की प्रेरणादायी यात्रा दर्शकों के बीच आएगी।

सैयामी ने फिल्म के अंतरराष्ट्रीय प्रीमियर पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, स्क्रीन पर खेलना हमेशा मेरे लिए एक सपना रहा। जब से मैं एक्टिंग की दुनिया में आई हूं, तभी से इसकी इच्छा रही है। मेलबर्न में फिल्म के प्रीमियर को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं। सैयामी ने बताया कि दिवंगत क्रिकेटर शेन वॉर्न मेलबर्न के ही रहने वाले थे, जो हमेशा उनके पसंदीदा खिलाड़ी रहे, इसलिए भी वह इस शहर में फिल्म के प्रीमियर को लेकर खुश हैं।

बाल्की और अभिषेक ने कहा, घूमर विपरीत परिस्थितियों को अवसर में बदलने और चुनौतियों का सामना करने की कहानी है। वे इस आईएफएफएम के लिए फिल्म के चुने जाने से सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उनके मुताबिक, खेल जीवन को जीने लायक बनाता है।

अंतिम सत्र में विपक्ष लाएगा सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

रायपुर,11 जुलाई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का 2018 से लेकर 2023 तक का कार्यकाल का अंतिम विधानसभा सत्र है इसे विदाई विधानसभा सत्र भी कह सकते है।

फिर चुनावी हलचल

इस सत्र के बाद कांग्रेस और भाजपा दोनों नवंबर 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए 90 विधानसभा क्षेत्रों में तूफानी दौरे पर निकल जाएगी...

अविश्वास प्रस्ताव

इस अंतिम विधानसभा सत्र में भाजपा के जांबाज़ 13 विधायक कांग्रेस सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव ला रहे हैं, इसकी विधिवत् सूचना छत्तीसगढ़ विधानसभा सचिवालय को दे दी गई है।

भाजपाई आरोपों की सूची तैयार

भाजपा का विधायक दल आरोप पत्र बनाने में व्यस्त है, इस में सबसे बड़ी व महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल, अजय चंद्राकर, शिवरतन शर्मा, सौरभ सिंह।
इसमें भाजपा विधायक दल मुख्य रूप से कोयला घोटाला, खाद्यान्न घोटाला, शराब घोटाला, जमीन घोटाला जैसे अनेक मुद्दे प्रभावशाली ढंग से विधानसभा के अंदर अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

सरकारी जवाब की तैयारी

छत्तीसगढ़ सरकार भी लगभग कमर कस चुकी है और समस्त आरोपों के जवाब के लिए 12 जुलाई को संध्या 6:00 बजे मुख्यमंत्री निवास पर राज्य सरकार की विधानसभा सत्र के पहले और अंतिम कैबिनेट बैठक होने जा रही है जिसमें आरोपों के जवाब का रूपरेखा तैयार किया जाएगा...

खुल रहे हैं रमन सरकार की फाइलें

भाजपा के 15 साल के कार्यकाल का जो भ्रष्टाचार के कागजात हैं जो मंत्रालय के अलमारियों में बंद पड़े हैं उनसे धूल हटाकर, उन्हें सूचीबद्ध किया जा रहा है। जिससे जवाब दिया जा सके...

आरोप-प्रत्यारोप का मंच

यह विधानसभा सत्र आरोप-प्रत्यारोप का एक मंच नजर आएगा, जिसमें दोनों दल वोटों की फसल काटने के लिए रणनीति के तहत आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू करेंगे।

लेकिन...जनता की टेढ़ी नज़र

छत्तीसगढ़ की बहुमत वाली जनसंख्या जिसमें खासकर अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग व किसान के हित में आवाज उठेगी या नहीं उपरोक्त समाज के लोग इसका इंतजार कर रहे हैं...

झूठ की ढिठाई और सच्चाई

धान खरीदी का मामला आरोप-प्रत्यारोप का समाचार पत्रों में सुर्खियां बटोर रहा है सच कौन बोल रहा है किसान यह भी जानना चाहते हैं आंकड़ेबाजी का खेल चल रहा है...
हमारी भी सुनें और आवाज उठाएं
लेकिन उन आदिवासी तेंदूपत्ता संग्राहकों का जो सैकड़ों करोड़ रुपए भुगतान बाकी है जिसके लिए कोई भी जमीन पर संघर्ष में साथ नजर नहीं आ रहे हैं वे स्वयं बस्तर संभाग के जिलों में जिला प्रशासन और वन विभाग के कार्यालय के पास धरना प्रदर्शन कर रहे हैं उनकी आवाज विधानसभा में उठायी या नहीं इस पर भी आदिवासियों की नजर है...
विधानसभा के टाइम टेबल तय
18 जुलाई से यह सत्र प्रारंभ होगा, विधानसभा के परंपरा के अनुसार सिटींग विधायक की मृत्यु होने पर उन्हें श्रद्धांजलि देकर विधानसभा स्थगित की जाती है, इसके बाद 19 जुलाई को राज्य सरकार द्वारा अनुपूरक बजट सदन के पटल पर रखा जाएगा, जिसे बहस के बाद पास कर लिया जाएगा।
अब अविश्वास प्रस्ताव के लिए बचे 2 दिन 20 और 21 जुलाई। यदि विधानसभा अध्यक्ष अविश्वास प्रस्ताव स्वीकृत करते हैं तो उपरोक्त दोनों दिन विधानसभा में रात्रि तक सदन चलाया जा सकता है और आरोप-प्रत्यारोप की ध्वनि, जनता को समाचार पत्रों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से देखने को मिल सकता है, प्रदेश की जनता को बेसब्री से इसका इंतजार है...

मानसून सत्र शुरू होने से पहले बदलेगी विधानसभा में सीट की व्यवस्था

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र 18 जुलाई से 21 जुलाई तक रहेगा। इस सत्र में विधानसभा की सीटों में बदलाव किया जायेगा। दरअसल स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के उपमुख्यमंत्री बनने के बाद उनके बैठक व्यवस्था में यह बदलाव किया जाना है।
ऐसी जानकारी मिल रही है कि उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के लिए मंत्री रविंद्र चौबे की कुर्सी को आरक्षित किया जाएगा। जबकि रविंद्र चौबे को सिंहदेव की सीट आवंटित की जाएगी। संसदीय कार्यविभाग द्वारा विधानसभा की यह बैठक व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। वहीं विधानसभा के आला अधिकारियों ने बताया कि, भाजपा विधायक विद्यारतन भसीन के निधन के बाद कुछ विधायकों की बैठक व्यवस्था में भी बदलाव किया जा रहा है। साथ ही विधानसभा मानसून सत्र के अंतिम दिन उत्कृष्ट विधायकों और उत्कृष्ट पत्रकारों का राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन के हाथों सम्मान होगा।
सत्र में वित्तीय वर्ष का पहला अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा। बताया जा रहा है विधानसभा चुनाव से पहले होने जारे इस सत्र में कांग्रेस सरकार कई घोषणाएं कर सकती हैं एवं इन्हें पूरा करने के लिए राशि की मांग करेगी। ऐसे में अनुमान है कि करीब दस हजार करोड़ का अनुपूरक पेश किया जा सकता है। इसका अनुमोदन कैबिनेट की बैठक में हो गया है। इसी के साथ ही सरकार की ओर से सात संशोधन विधेयक भी पेश किया जाएगा।

डुप्लीकेट दिव्यांग सर्टिफिकेट से सरकारी नौकरी करने वालों की भरमार

» पुलिस के हाथ लगी लंबी लिस्ट,संघ ने की कार्रवाई की मांग

» वाह रे सरकारी नौकरी, अच्छे खासों को बहरा बनने पर किया मजबूर

रायपुर,11 जुलाई 2023 (ए)। सबकुछ सुनाई देने के बाद भी 56 लोग श्रवण बाधित का फर्जी विकलांग प्रमाण पत्र बनवाकर सरकारी विभागों में मौज कर रहे हैं। इनमें से अकेले 53 लोग कृषि विभाग में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के पद पर काम कर रहे हैं। वहीं तीन लोग कृषि शिक्षक के पद पर काबिज हैं।
बता दें कि राज्य शासन की ओर से 2016 और 2018 में दिव्यांगों की विशेष भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। इसके तहत सबसे पहले ग्रामीण कृष विस्तार अधिकारी पद के लिए भर्ती हुई। इसमें 50 ऐसे लोगों की नियुक्ति हुई है जिन्होंने श्रवण बाधित होने का फर्जी विकलांगता प्रमाण पत्र पेश किया है। वहीं तीन लोग कृषि शिक्षक के पद पद काम कर रहे हैं। इन्होंने भी श्रवण बाधित का फर्जी विकलांग प्रमाण पत्र चयन को दौरान प्रस्तुत किया है। मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड में ऐसे लोगों की संख्या अधिक है। दिव्यांगों के हित में काम करने वाले संघ छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ का इस मामले में कहना है कि प्रमाण पत्र में सिर्फ 56 लोगों के नाम सामने आए हैं। अगर इस मामले की गंभीरता से जांच होती है तो इनकी संख्या हजारों में निकल सकती है। इस मामले में उन्होंने राज्य मेडिकल बोर्ड से जांच कराने की मांग की हैृ।
दिव्यांग सेवा संघ ने फर्जी प्रमाण पत्र बनवा कर नौकरी कर रहे लोगों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। फर्जी विकलांग प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी करने वालों की सूची सिविल लाइन थाने में सौंपने की तैयारी है। वहीं इस मामले में प्रदेशभर के आला अधिकारियों से भी इसकी शिकायत की गई है। छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष राधाकृष्ण गोपाल ने आरोप लगाया है कि ये सभी अधिकांश प्रमाण पत्र बिलासपुर और मुंगेली में पदस्थ दो डाक्टरों के हस्ताक्षर से जारी हुए हैं।2016 और 2018 में हुई भर्ती की सूची में एक और बात सामने आई है इनमें से अधिकांश चयनित उम्मीदवार राजपूत, सिंह और राठौर सरनेम के हैं। बताया जा रहा है कि ये सभी बिलासपुर, मुंगेली और जांजगीर-चांपा जिले के निवासी हैं। अधिकांश फर्जी प्रमाण पत्र भी जांजगीर-चांपा जिले से बनाए गए है।

विधानसभा के छोटे सत्र पर नेता प्रतिपक्ष का तंज

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा,सवाल तो पूछे जाएंगे,जवाब तो देना पड़ेगा

चर्चा से भागती है कांग्रेस

रायपुर,11 जुलाई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 18 जुलाई से शुरू होने वाला है। ये 5वीं विधान सभा का 17वां सत्र होगा। इस बार सत्र के महज़ 4 दिन का रखने पर बीजेपी विधायक दल के नेता नारायण सिंह चंदेल ने भूपेश सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने चेतवनीभरे लहज़े में साफ कर दिया है कि विधानसभा के छोटे सत्र पर कहा है कि कांग्रेस विपक्ष और चर्चा से भागती है।नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल ने यह भी कहा है कि सवाल तो पूछे जाएंगे, जवाब तो देना पड़ेगा, चाहे विधानसभा सत्र छोटा कर ले। आज वीडियो बयान जारी कर नेता प्रतिपक्ष ने कहा प्रदेश की कांग्रेस सरकार और ष्टरू भूपेश बघेल विपक्ष का सामना चर्चा में कर के देखे उन्हें समझ आ जायेगा कि प्रदेश को चार साल में ही उन्होंने कर्ज, भ्रष्टाचार में धकेल दिया है। बता दें कि छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 18 जुलाई से शुरू होने जा रहा है और यह सत्र 21 जुलाई तक चलेगा। छत्तीसगढ़ विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा ने इस बाबत अधिसूचना जारी की है।

राज्य में इस साल विधानसभा के चुनाव होने है और चुनाव से पहले यह विधानसभा का आखिरी सत्र होगा। नोटिफिकेशन के अनुसार विधानसभा के मानसून सत्र में कुल 4 बैठकें होगीं।
मानसून सत्र में वित्तीय कार्य के साथ ही अन्य शासकीय कार्य संपादित किये जाएंगे। यह 5वीं विधानसभा का 17वां सत्र होगा। चूंकि इस साल के अंत में विधानसभा के चुनाव होने हैं इस लिहाज से विधानसभा का यह सत्र काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह सत्र कई महत्वपूर्ण घोषणाओं से भरा हो सकता है। इस सत्र में सरकार अनुपूरक बजट पेश करेगी।

मुख्यमंत्री करेंगे युवाओं से सीधे संवाद

रायपुर,11 जुलाई 2023 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जल्द ही संभागवार युवाओं से मुलाकात कर उनसे सीधे संवाद करेंगे। इस दौरान वे युवाओं के मुद्दों, उपलब्धियों और उनके भविष्य की योजनाओं पर बात करेंगे।

कांग्रेसजनों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में राजीव युवा मितान क्लब के गठन से युवा-ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिली है। इन क्लबों के माध्यम से युवा अपने-अपने क्षेत्रों में रचनात्मक कार्य कर रहे हैं। उनमें काफी उत्साह है। संभागस्तरीय आयोजन के दौरान युवा अपने अनुभव साझा करेंगे, ताकि उनके अनुभव का लाभ अन्य लोग भी उठा सकें। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अपनी बात रखेंगे और युवा भी अपनी बात साझा करेंगे। वे मुख्यमंत्री से प्रश्न भी पूछ सकेंगे। ज्ञात होकि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने साढ़े चार सालों में युवा हित में अनेक निर्णय लिये हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की फीस माफी के साथ ही राज्य में रोजगार मिशन का संचालन किया जा रहा है। साढ़े चार सालों में बड़े पैमाने पर शासकीय भर्तियां की गई हैं। हाल ही में रोक होने के बाद और लगभग 20 हजार शासकीय पदों भर्तियां की जा रही हैं। रोजगार मेलों का आयोजन कर बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराए जा रहे हैं। एक लाख 17 हजार से अधिक युवाओं को बेरोजगारी भत्ते की राशि हर महीने प्रदान की जा रही है। अब तक 80 करोड़ रुपए की राशि युवाओं के खाते में अंतरित की जा चुकी है। इसके अलावा राज्य की खेल अधोसंरचना को भी मजबूत किया गया है।

पापुनि के पूर्व जीएम जेल दाखिल

रायपुर,11 जुलाई 2023 (ए)। पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व जीएम अशोक चतुर्वेदी से चली पूछताछ के बाद रिमांड अवधि खत्म होते ही कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

ज्ञात हो कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में उन पर एसीबी और ईओडब्ल्यू ने कार्रवाई की थी। मामले में एसीबी की रिमांड अवधि खत्म होने के बाद कोर्ट के आदेश पर उन्हें जेल भेज दिया गया है। कुछ दिनों पूर्व ही एसीबी ने श्री चतुर्वेदी को आंध्रप्रदेश के गुंटूर से गिरफ्तार किया था। बता दें कि छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व महाप्रबंधक अशोक चतुर्वेदी के खिलाफआर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ईओडब्ल्यू ने एफआईआर दर्ज की। टेंडर प्रक्रियाओं में जालसाजी कर करोड़ों रुपये की अनियमितता के मामले में एफआईआर कराई गई। नवंबर 2019 में राज्य शासन ने पाठ्यपुस्तक निगम से चतुर्वेदी की प्रतिनियुक्ति खत्म करते हुए उनकी सेवाएं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को लौटा दी थी। इस निर्णय के खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट से स्टे ले लिया था। टेंडर में हुई अनियमितता की शिकायत के बीच जांच का जिम्मा एसीबी-ईओडब्ल्यू को सौंपा गया था।

एम्स के एचओडी समेत 4 लोगों पर फिजिकली और मेंटली हरासमेंट का आरोप

» महिला आयोग से युवती ने लगाई न्याय की गुहार

रायपुर,11 जुलाई 2023 (ए)। एम्स हॉस्पिटल के खिलाफ राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज हुई है. फॉर्मोकोलॉजी डिपार्टमेंट में काम कर रही युवती ने एचओडी पर मेंटली और फिजिकली हरासमेंट का आरोप लगाया है।
पीड़ित फर्मासिस्ट का आरोप उसे मेंटली और फि जिकली हरासमेंट किया गया और जॉब से निकाला गया. फॉर्मोकोलॉजी के सीनियर प्रोफेसर, असिसेन्ट प्रोफेसर, टेक्निकल असिस्टेंट और क्लर्क 4 लोगों पर मेंटली और फिजिकली हरासमेंट का आरोप लगाया है.
बता दें कि, पीड़ित युवती फार्मासिस्ट है. 2019 से जॉब कर रही. पीड़िता का आरोप है कि, उसके साथ मेंटली और फिजीकली हरासमेंट हुआ है. फॉर्मोकोलॉजी विभाग के कर्मचारियों पर आरोप लगाते हुए बताया कि, फाइल देते वक्त उसके हाथों को टच करते थे. फिजीकली उसे टच करते थे, कमेंट्स करते थे. एक बार एचओडी ने उनका फोन खींचा था और 2021 में युवती को जॉब से निकाल दिया था।

हालांकि, मामला लेबर कोर्ट पहुंचा. जहां दोबारा उसे जॉब में रखा गया और उसके बाद फिर मई 2023 में पीड़िता को जॉब से निकाल दिया गया एचओडी ने युवती के सभी आरोपों को गलत बताए हुए कहा कि, ऑफिस में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं. वे हर जांच के लिए तैयार हैं. युवती की इंग्लिश अच्छी नहीं है और हमारे डिपार्टमेंट में सारा काम इंग्लिश में होता है, इसलिए हमने युवती को किसी अन्य विभाग में ट्रांसफर करने के लिए आवदेन लिखा है. जॉब से नहीं निकाला.
महिला आयोग की अध्यक्ष किरणमयी नायक ने इस पूरे मामले को लेकर कहा कि, हॉस्पिटल में इंटरनल कंप्लेन कमेटी की जो रिपोर्ट होगी उस आधार पर कार्रवाई की जाएगी. बता दें कि, महिला आयोग में जनसुनवाई के दौरान आज रायपुर एम्स हॉस्पिटल के 2 शिकायतें दर्ज हुई है. दूसरा मामला इलाज में लापरवाही से मरीज की मौत का है, जहां एक समाज सेविका ने शिकायत दर्ज कराई है।

युवा कांग्रेस ने शुरू की जन सत्याग्रह पदयात्रा

रायपुर,11 जुलाई 2023 (ए)। 'मोदी सरनेम' के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ आए गुजरात हाई कोर्ट के फैसले का कांग्रेस विरोध कर रही है। देशभर में पार्टी के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। इस कड़ी में रायपुर में युवा कांग्रेस ने प्रदर्शन करते हुए 'जन सत्याग्रह पदयात्रा' की शुरुआत की।
युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव लोकेश वशिष्ट ने तेलीबांधा थाना से पदयात्रा की शुरुआत की। बता दें कि यात्रा के दौरान युवा कांग्रेसी रोजाना 10 किलोमीटर पैदल यात्रा करेंगे। इस यात्रा का समापन माना बस्ती में होगा। कांग्रेसी नेता लोकेश वशिष्ट ने कहा कि गुजरात में मोदी सरनेम को लेकर राहुल गांधी के ऊपर जिस तरह से निर्णय आया है, उसके खिलाफ आज युवा कांग्रेस सड़क की लड़ाई लड़ रहा हैं। उन्होंने कहा कि हम किसी प्रकार की भीड़ के साथ प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। जहां-जहां से भी यह यात्रा गुजरेगी और अगर इसमें जो लोग अपनी स्वेच्छा से शामिल होना चाहते हैं उनका स्वागत रहेगा। पूरे देश में हमारे नेता राहुल गांधी जी को लेकर कांग्रेस प्रदर्शन कर रही है, छत्तीसगढ़ में युवा कांग्रेस लगातार केन्द्र की मोदी सरकार का विरोध करेंगी।

शिक्षकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल,18 को जंगी प्रदर्शन

रायपुर,11 जुलाई 2023 (ए)। 31 जुलाई से शिक्षक अनिश्चितकालीन हड़ताल परजा रहे हैं। शिक्षकों की हड़ताल का असर स्कूलों और बच्चों की पढ़ाई में भी देखने को मिलेगा। शिक्षकों की हड़ताल से पढ़ाई बाधित होगी। आज हड़ताल के संबंध में छत्तीसगढ़ शिक्षक मोर्चा ने प्रेसवार्ता कर इसकी जानकारी दी। नीचे पढ़ें जारी प्रेसनोट प्रदेश में शिक्षक एलबी संवर्ग जिनकी संख्या लगभग 1 लाख 80 हजार से ज्यादा हैं जिनमे छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन प्रांताध्यक्ष संजय शर्मा, छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक फेडरेशन प्रांताध्यक्ष मनीष मिश्रा, शालेय शिक्षक संघ प्रांताध्यक्ष वीरेंद्र दुबे, नवीन शिक्षक संघ प्रांताध्यक्ष विकास राजपूत, छत्तीसगढ़ प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ प्रांताध्यक्ष केदार जैन की 5 जुलाई को राजधानी रायपुर में एकता बैठक की गयी। एलबी संवर्ग के शिक्षकों के भावना और हितो को सर्वोपरि मानते हुए तथा सरकार द्वारा शिक्षको के मांगो पर ध्यान नहीं देने के कारण शासन के विरोध में एकजुट होकर आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में सभी संघों द्वारा सर्वसम्मति से छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा का गठन किया गया है। मोर्चा के बैनर तले होने वाले आंदोलन की रणनीति के संबंध में शिक्षक संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारियों ने रायपुर प्रेस क्लब में प्रेस कांफ्रेंस में संयुक्त प्रेसवार्ता करते हुए कहा है कि सभी घटक संघ एकजुट हो जाये तथा अपनी पूर्व सेवा की गणना, प्रथम नियुक्ति तिथि से लेने हेतु समन्वय बनाये, प्रेस कांफ्रेंस के बाद मंत्रालय जाकर मुख्यसचिव, प्रमुख सचिव शिक्षा, सचिव वित्त व सामान्य प्रसाशन तथा डीपीआई को हड़ताल की सूचना देते हुए एलबी संवर्ग शिक्षको की एक सूत्रीय मांग पूर्व सेवा की गणना करङ्कसहीं वेतन निर्धारण करते हुए सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति

31 जुलाई से होगी बेमुद्दत हड़ताल

दूर कर / क्रमोन्नत वेतनमान प्रदान कर, पुरानी पेंशन प्रदान करे एवं कुल 20 वर्ष की पूर्ण सेवा पर पुरानी पेंशन दिया जावे। का ज्ञापन दिया गया। इस एक सूत्रीय मांग को लेकर आंदोलन का निर्णय लेकर रूपरेखा तय किया गया है। 18 जुलाई को राजधानी रायपुर में एक दिवसीय जंगी प्रदर्शन किया जाएगा। मांगो की पूर्ति न होने की दशा में 31 जुलाई 2023 से सभी विकासखंड और जिला मुख्यालय में अनिश्चितकालीन आंदोलन का आगाज किया गया है। मांग और आंदोलन की सूचना मोर्चा द्वारा 11 से 13 जुलाई तक जिला मुख्यालय में कलेक्टर व तहसील में एसडीएम व तहसीलदार के माध्यम से शासन-प्रशासन को दिया जाएगा। मोर्चा के प्रदेश संचालक संजय शर्मा ने बताया कि शिक्षक संवर्ग की मांगों को लगातार शासन प्रशासन को बताया गया, चर्चा किया गया, ज्ञापन दिया गया, धरना, आंदोलन व प्रदर्शन भी किया गया, परन्तु कोई भी निर्णय नही लिया गया। जनघोषणा पत्र में शिक्षको की क्रमोन्नति, पुरानी पेंशन, वेतन विसगति, पदोन्नति जैसे बड़े विषय को शामिल किया गया है, किन्तु अब तक निर्णय नही लिया गया है। शिक्षक संवर्ग का संविलियन किया गया है परंतु पूर्व सेवा की गणना नही करने से अपेक्षित लाभ नही मिल रहा है, शिक्षको से किये गए वादे पूरे नहीं किये गए है, जिससे एल बी संवर्ग के शिक्षको में भारी आक्रोश व्याप्त है। प्रदेश संचालक संजय शर्मा, मनीष मिश्रा, विरेंद्र दुबे, विकास राजपूत, केदार जैन ने शिक्षकों से कहा है कि आंदोलन के लिए तैयार रहे। आज प्रेस कांफ्रेंस व हड़ताल की सूचना व ज्ञापन सौपने वाले प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश संचालक संजय शर्मा, मनीष मिश्रा, विरेंद्र दुबे, विकास राजपूत, केदार जैन, सुधीर प्रधान, योगेश सिंह, संतोष सिंह, प्रदीप वर्मा, गिरिजा शंकर शुक्ला, बसंत कौशिक, पवन सिंह, भानु डहरिया, शामिल थे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)